सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

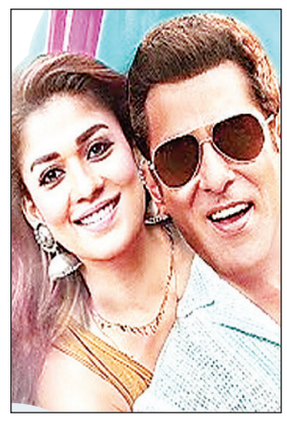

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में है..... पेज: 7

सलमान और नयनतारा की अगली फिल्म... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 21 | बुधवार 22 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

देश में गर्मी ने पकड़ा जोर, कई जगह पारा 45 डिग्री पर पहुंचा, विदर्भ में लू की मार

-उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के अलग-अलग इलाकों में हीटवेव की संभावना

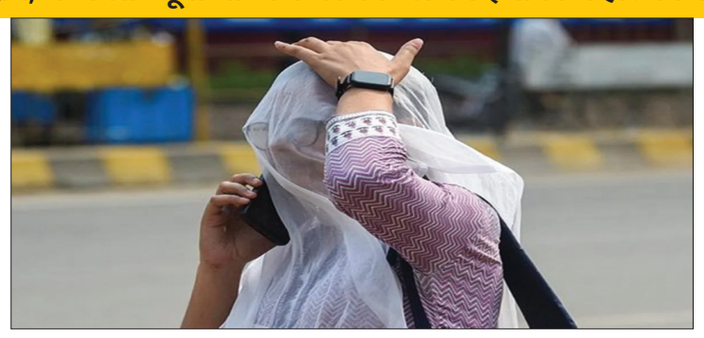

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में गर्मी का प्रकोप शुरू हो गया है। यूपी के बांदा में 17 अप्रैल को 45 डिग्री तापमान दर्ज करने वाला पहला शहर बना गया। विदर्भ के वर्धा में भी तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया है। दिल्ली में भी भीषण गर्मी को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। कई इलाकों में हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, विदर्भ और पूर्वी उत्तर प्रदेश में गर्मी का असर साफ दिखाई दे रहा है। नागपुर, गोंदिया, अमरावती समेत कई इलाकों में पारा 40 डिग्री से ऊपर पहुंच रहा है। पूरा विदर्भ क्षेत्र लू की मार झेल रहा है। इसके अलावा प्रयागराज, वाराणसी, सुल्तानपुर और फुर्सतगंज में लू का असर देखा जा सकता है। आने वाले दिनों में भी विदर्भ, मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में तापमान ज्यादा रह सकता है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के इलाकों में कुछ स्थानों पर तापमान 45 डिग्री तक पहुंच सकता है। 21 से 24 अप्रैल के बीच ओडिशा में भी तापमान बढ़ने के आसार हैं, बताया जा रहा है, फिलहाल गुजरात के कुछ हिस्सों में तापमान ज्यादा नहीं बढ़ेगा। इस हफ्ते पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के कुछ हिस्सों में भी लू की स्थिति बनने के आसार जताए जा रहे हैं।

आईएमडी के मुताबिक इस साल अप्रैल के तापमान में एक नया ट्रेंड देखने को मिला है। बीते सालों में जहां अप्रैल की शुरुआत में ही गर्मी का भयानक कहर शुरू हो जाता था, इस बार गर्मी का असर देर से महसूस हुआ है। साल 2026 में अप्रैल महीने में 16 अप्रैल को अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि 17 अप्रैल को यह बढ़कर 41.0 डिग्री पहुंच गया था। वहीं, साल 2025 में अप्रैल की शुरुआत में ही तापमान 40 डिग्री के पार चला गया था।

नई दिल्ली (सफदरजंग) के आंकड़ों के मुताबिक पिछले कुछ सालों में अप्रैल महीने का सबसे ज्यादा तापमान 43.5 डिग्री रहा, जो 29 और 30 अप्रैल 2022 को दर्ज किया गया था। वहीं, नई दिल्ली (पालम) में पिछले पांच सालों में अप्रैल का सबसे ज्यादा तापमान 44.0 डिग्री दर्ज किया गया, जो 30 अप्रैल 2022 को रिकॉर्ड हुआ था। बता दें, भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली में हीटवेव की स्थिति बनी रह सकती है। ज्यादा पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इसके अलावा आने वाले दिनों में उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के अलग-अलग इलाकों में हीटवेव की संभावना है। पंजाब, पूर्वी राजस्थान, विदर्भ और छत्तीसगढ़, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली के कुछ इलाकों में 24 अप्रैल तक और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 25 अप्रैल तक हीटवेव का अलर्ट जारी किया है।

अनुमान लगाया जा रहा है कि वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के प्रभाव से 23 अप्रैल के आसपास एक नया सिस्टम पश्चिमी हिमालय तक पहुंचेगा, हालांकि इसका असर मुख्य रूप से पहाड़ी इलाकों तक ही सीमित रहने की संभावना है। दिल्ली में कुछ दिनों तक हल्के बादल छाए रह सकते हैं। दिल्ली और आसपास के इलाकों में हीटवेव जैसी स्थिति बनने की प्रबल संभावना है, और कुछ स्थानों पर तापमान 44डिग्री तक पहुंच सकता है।

मणिपुर में कांपी धरती, 5.2 तीव्रता का आया भूकंप, सो रहे लोग घरों से आए बाहर

-जापान में भूकंप के बाद कुजी बंदरगाह पर 80 सेंटीमीटर ऊंची दिखी सुनामी लहरें

इम्फाल (एजेंसी)। मंगलवार तड़के मणिपुर में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। वहीं दूसरी ओर जापान में आए विनाशकारी भूकंप के बाद समुद्र की लहरों ने तटीय इलाकों में दस्तक दी है। राहत की बात यह है कि अभी तक किसी बड़े जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक मंगलवार सुबह 5:59 बजे मणिपुर के कामजोंग जिले में भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.2 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन से 62 किलोमीटर नीचे था। सुबह के समय आए इन झटकों से लोग डरकर घरों से बाहर आ गए। फिलहाल राज्य के किसी भी हिस्से से नुकसान की कोई खबर नहीं है। वहीं दूसरी ओर जापानी मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि इवाते प्रांत के कुजी बंदरगाह पर 80 सेंटीमीटर ऊंची सुनामी देखी गई। शाम 4:53 बजे आए भूकंप की तीव्रता जापान के भूकंपीय तीव्रता पैमाने पर 7 में से 5 के ऊपरी स्तर पर दर्ज की गई और इसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने पिछले एक सप्ताह से इसी तरह के भूकंपों की चेतावनी जारी की थी। जापानी मौसम एजेंसी ने होक्काइडो, आओमोरी और इवाते प्रांतों के प्रशांत तटों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है और तत्काल 3 मीटर तक ऊंची लहरों के आने का पूर्वानुमान लगाया है। जापानी प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने भूकंप प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से ऊंची जगहों पर जाने का आग्रह किया।

'आई-पैक' ने 1300 कर्मियों को छुट्टी पर भेजा, तरह-तरह के उठ रहे सवाल

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और सीएम ममता बनर्जी का चुनावी कैंपेन संभाल रही फर्म 'आई-पैक' का कोलकाता के विधाननगर स्थित दफ्तर दो दिन से बंद है। सूत्रों के मुताबिक इसके एचआर ने 1300 कर्मियों को छुट्टी पर भेज दिया है। यह सब ऐसे समय हुआ है जब पहले चरण का मतदान को कुछ दिन ही बचे हैं। 23 अप्रैल को पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान होना है। चुनाव प्रचार मंगलवार को खत्म हो गया। दूसरे चरण की वोटिंग 29 अप्रैल को है। रिजल्ट 4 मई को आएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तृणमूल की बूथ लेवल की गतिविधि से लेकर नेताओं की सभाएं, रैलियां, सब कुछ तय करने में आईपैक एक पॉलिटिकल कंसल्टेंसी कंपनी की अहम भूमिका निभा रही है। बंगाल में पार्टी के मौजूदा करीब 33फीसदी विधायकों के टिकट काटने के फैसले के पीछे भी इसी का सर्वे आधार था। इसने बंगाल के 93 हजार पोलिंग बूथों के लिए एक लाख शैडो एजेंट्स तैयार किए थे। टीएमसी भले ही इसके बंद होने की खबरों को खारिज कर रही है, लेकिन मतदान से ठीक पहले संगठन और कार्यकर्ता असमंजस में आ गए हैं। हालांकि पार्टी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि हम संसद में दूसरी बड़ी विपक्षी पार्टी हैं। 5 एजेंसियों के साथ काम कर रहे हैं। सभी ठीक हैं। पार्टी के एक अन्य नेता ने बताया कि टीएमसी संगठन 4 स्तर पर काम कर रहा है। इस बीच, टीएमसी ने आशंका जताई है कि उसके 800 नेताओं, कार्यकर्ताओं को केंद्रीय सुरक्षा बल एहतियातन गिरफ्तार कर सकते हैं। इसे लेकर पार्टी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर तुरंत सुनवाई की मांग की है। पार्टी को आशंका है कि केंद्रीय बल राज्य के पुलिस थानों को कब्जे में ले सकते हैं।

दिल्ली में शराब के बाद गुजरात में हवाला कांड में फंस सकती आम आदमी पार्टी

श्रीनगर(एजेंसी)। सूरत,(ईएमएस)। गुजरात के सूरत जिले में सामने आए कथित हवाला मामले ने आम आदमी पार्टी (आप) की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दिल्ली के कथित शराब घोटाले में ट्रायल कोर्ट से राहत मिलने के बाद जहां मामला हाई कोर्ट में पहुंच चुका है, वहीं अब गुजरात से एक नया विवाद सामने आया गया है। सूरत पुलिस ने दावा किया है कि एक बड़े हवाला रैकेट का खुलासा किया है, जिसमें पार्टी के कुछ पदाधिकारी शामिल हैं और जांच की आंच बड़े नेताओं तक भी पहुंच सकती है। पुलिस ने हवाला मामले में आकाश मिश्रा और अजय तिवारी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये दोनों हवाला नेटवर्क के जरिए पैसे के लेनदेन में शामिल थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह नेटवर्क कथित तौर पर दिल्ली से संचालित हो रहा था और इसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के निर्देश होने की भी आशंका जाहिर की गई है। सूरत पुलिस की जांच में देखा जा रहा है कि क्या इन पैसों का उपयोग गुजराज की पटेल सरकार के खिलाफ माहौल बनाने और सोशल मीडिया पर प्रभाव डालने के लिए किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिश्रा पहले सत्येंद्र जैन के साथ काम कर चुका है और कई राज्यों—दिल्ली, हरियाणा, बिहार और मध्य प्रदेश में सक्रिय रहा है। आरोप है कि हवाला के जरिए मिले पैसे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और यूट्यूबर्स को देते थे, ताकि वे गुजरात सरकार के विरोध में माहौल तैयार करें और सामाजिक विभाजन को बढ़ावा दें। इस मामले में आयकर विभाग ने भी जांच शुरु की है। जांचकर्ताओं का कहना है कि आरोपियों ने सूरत के महिधरपुरा इलाके में एक अंगड़िया से कई बार 15-20 लाख तक की रकम प्राप्त की।

कोलकाता के आनंदलोक अस्पताल में भीषण आग... 75 से 80 मरीजों को बाहर निकाला गया

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के मशहूर आनंदलोक अस्पताल में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग ने अस्पताल की कई मंजिलों को अपनी चपेट में ले लिया, जिसके बाद तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है और इसकी जांच जारी है। आग लगने के बाद अस्पताल में भर्ती मरीजों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया। स्ट्रेचर और व्हीलचेयर की मदद से करीब 75 से 80 मरीजों को बाहर निकालकर पास की इमारतों में पहुंचाया गया।

हाईकोर्ट ने मोहन भागवत की जेड प्लस सुरक्षा पर खर्च को लेकर याचिका खारिज की

-याचिकाकर्ता की मंशा पर जताई शंका, सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के आरोप नहीं माने

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत को मिली जेड प्लस सुरक्षा पर होने वाले खर्च को लेकर दायर जनहित याचिका को बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने खारिज कर दिया है। अदालत ने न केवल याचिका को अस्वीकार किया, बल्कि याचिकाकर्ता की मंशा पर भी सवाल उठाए।

यह मामला हाईकोर्ट की नागपुर पीठ के समक्ष आया था, जहां मुख्य न्यायाधीश जस्टिस श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति जस्टिस अनिल किलोर की पीठ ने सुनवाई की। याचिका में दावा किया गया था कि भागवत को दी गई जेड प्लस सुरक्षा पर हर महीने लगभग 40 से 45 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं, जो करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग है। नागपुर निवासी ललन सिंह द्वारा दायर इस याचिका में कहा गया था कि चूंकि आरएसएस एक पंजीकृत संगठन नहीं है, इसलिए उसके प्रमुख को दी जा रही सुरक्षा का खर्च सरकार की बजाय संगठन को वहन करना चाहिए। याचिकाकर्ता ने अदालत से अनुरोध किया था कि इस खर्च की भरपाई संघ से कराई जाए। याचिका में मुकेश अंबानी से जुड़े एक मामले का भी हवाला दिया गया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में निर्देश दिया था कि उन्हें दी गई जेड प्लस सुरक्षा का खर्च उनके परिवार द्वारा उठाया जाए। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया और याचिका को खारिज करते हुए याचिकाकर्ता के इरादों पर सवाल उठाए। अदालत ने संकेत दिया कि इस तरह की याचिकाएं जनहित के नाम पर दाखिल की जाती हैं, लेकिन उनके पीछे वास्तविक उद्देश्य संदिग्ध हो सकता है।

गौरतलब है कि मोहन भागवत की सुरक्षा को जून 2015 में बढ़ाकर जेड प्लस श्रेणी में किया गया था, जिसके बाद उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ को सौंप दी गई थी। इससे पहले उनकी सुरक्षा महाराष्ट्र पुलिस के पास थी। उल्लेखनीय है कि उन्हें पहली बार 2012 में तत्कालीन यूपीए सरकार के दौरान जेड प्लस सुरक्षा प्रदान की गई थी, जब सुशील कुमार शिंडे देश के गृहमंत्री थे।

तमिलनाडु चुनाव: स्टालिन की होगी वापसी, बीजेपी खाता खुलना भी मुश्किल !

-डीएमके गठबंधन को 120 से 140 तो एआईएडीएमके को मिल सकती है 90 सीटें

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। सरकार बनाने के लिए 118 सीटें की जरुरत होती है। मुकाबला डीएमके और एआईएडीएमके के बीच है। एक तरफ सीएम एमके स्टालिन का द्रविड़ियन मॉडल और उनकी पॉपुलर योजनाएं हैं, दूसरी तरफ जयललिता की विरासत संभाल रही एआईएडीएमके और बीजेपी गठबंधन है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु में स्टालिन सरकार की वापसी हो सकती है। डीएमके गठबंधन को 120 से 140 सीटें मिल सकती हैं। इनमें डीएमके को 100 से 110, कांग्रेस को 10 से 15 और गठबंधन की बाकी पार्टियों को 10 से 15 सीटें मिल सकती हैं। 2021 में डीएमके को 133 और कांग्रेस को 18 सीटें मिली थीं। गठबंधन ने 159 सीटें जीती थीं। डीएमके ने अपने दम पर बहुमत हासिल किया था। वहीं दूसरी बड़ी पार्टी एआईएडीएमके के गठबंधन को 90 से 100 सीटें मिल सकती हैं। एआईएडीएमके को 70 से 80 सीटें मिलने के आसार हैं। 27 सीटों पर लड़ रही बीजेपी का खाता खुलना मुश्किल दिख रहा है, लेकिन पार्टी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, तो 5 सीटें मिल सकती हैं। कोयंबटूर साउथ, तिरुनेलवेली, नागरकोइल, मोडाकुरिची और कारैकुडी सीट पर जीत के ज्यादा चांस हैं। गठबंधन की बाकी पार्टियों को 5 से 10 सीटें मिल सकती हैं। 2021 में एआईएडीएमके ने 66 और बीजेपी ने 4 सीटें जीती थीं। गठबंधन को सिर्फ 75 सीटें मिली थीं। रिपोर्ट के मुताबिक तमिल फिल्मों से सुपरस्टार थलापति विजय की नई पार्टी टीवीके का कोई खास असर नजर नहीं आ रहा है। पार्टी को 5 से 15 सीटें मिल सकती हैं। हालांकि पार्टी का वोट शेयर 12फीसदी रह सकता है। टीवीके पहली बार चुनाव लड़ रही है। पिछली बार एक्टर सीमान की पार्टी नाम तमिलर काची (एनटीके) और कमल हासन की मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) का खाता नहीं खुला था। स्टालिन ने सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस को चुनाव के पहले मजबूत किया। गठबंधन को मैनेज करना उनकी सबसे बड़ी खासियत मानी जाती है। स्थानीय और जातियों वाली पार्टियों को साथ लाए। कलैगनार मगलिर उरीमाई थोगाई योजना के तहत हर महिला को एक हजार रुपए महीने दिया। ये पैसा करीब एक करोड़ महिलाओं को मिला। सरकारी बसों में महिलाओं के लिए फ्री सफर बड़ा फैक्टर है। सरकारी स्कूल से पढ़कर कॉलेज में जाने वाली लड़कियों को हर महीने एक हजार रुपए दिए गए। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए फ्री कोचिंग, लाइब्रेरी, रीडिंग रूम, स्कॉलरशिप प्रोग्राम चलाए। इनका फायदा लेने वाले युवा फर्स्ट टाइम वोटर हैं। तमिलनाडु में करीब 12.51 लाख युवा पहली बार वोट डालेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक गठबंधन की कमजोरी कांग्रेस है। उसे 28 सीटें मिली हैं। पार्टी के स्टार प्रचारक राज्य में कम ही सक्रिय रहे। कांग्रेस ने प्रचार का पूरा जिम्मा डीएमके को सौंप दिया है।

केदारनाथ मंदिर कमेटी का फैसला...न मोबाइल, न फोटो, और न ही वीडियो या इंस्ट्राग्राम रील बनाएंगे

देहरादून। केदारनाथ मंदिर की पवित्रता और धार्मिक मर्यादा बनाए रखने के लिए मंदिर समिति ने बड़ा निर्णय लिया है। अब मंदिर परिसर में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया है। समिति के सदस्य विनीत पोस्टी के अनुसार, श्रद्धालु मंदिर के अंदर मोबाइल नहीं ले जा सकते और न ही फोटो, वीडियो या इंस्ट्राग्राम रील बना पाएंगे। इस नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी, जिसमें सजा का प्रावधान भी शामिल हो सकता है। इस फैसले का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं को शांतिपूर्ण और आध्यात्मिक वातावरण में दर्शन का अनुभव कराना है। देहरादून से मिली जानकारी के अनुसार, मंदिर समिति ने सभी यात्रियों से इन दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है ताकि धार्मिक स्थल की गरिमा बनी रहे। वहीं, रुद्रप्रयाग पुलिस प्रशासन ने आगामी केदारनाथ यात्रा को ध्यान में रखते हुए व्यापक यातायात प्रबंधन योजना तैयार की है। इस योजना के तहत यात्रा मार्गों पर ट्रैफिक को नियंत्रित करने, भीड़भाड़ कम करने और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। राष्ट्रीय राजमार्गों से लेकर संपर्क मार्गों तक यातायात व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की जाएगी और स्थायी व अस्थायी पार्किंग की व्यवस्था भी की जाएगी ताकि जाम की स्थिति से बचा जा सके। पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने बताया कि जिले को 2 सुपर जोन और 11 सेक्टरों में बांटा गया है। साथ ही 13 मोबाइल पुलिस टीमें भी तैनात रहेंगी। जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक मार्गों का उपयोग किया जाएगा। यह पूरी योजना श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुचारू यात्रा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है।

अपर्णा और शाही के सपा-कांग्रेस का झंडा जलाने पर बीजेपी नाराज, पार्टी की हुई किरकिरी

-अखिलेश ने कहा था- बीजेपी वाले 12 करोड़ आबादी वाले यूपी में सिर्फ 12 महिलाएं भेजते

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल को लेकर बिल के पारित ना होने पर यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव और सदस्य ऋतु शाही ने सपा-कांग्रेस का झंडा जलाकर विरोध जताया था। अब दोनों महिला नेताओं के इस प्रदर्शन पर बीजेपी नेतृत्व नाराज है। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव और सदस्य ऋतु शाही पर पार्टी हाईकमान ने सवाल उठाए हैं कि इससे पार्टी की किरकिरी हुई है।

बता दें 17 अप्रैल की देर रात विधानसभा के बाहर अपर्णा यादव और ऋतु शाही ने महिलाओं के साथ प्रदर्शन किया। उन्होंने सपा और कांग्रेस के झंडे जलाए और विपक्षी दलों के खिलाफ नारेबाजी की। यह प्रदर्शन संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के गिर जाने के विरोध में किया गया था। अपर्णा ने कहा था कि यह कलंकित करने वाली रात है। विपक्ष का चेहरा दिखावटी है। नारी शक्ति इन्हें कुचल देगी। सपा-कांग्रेस के नेता दुर्योधन और दुशासन जैसे हैं, इसलिए हमने उनके झंडे जलाए।

प्रदर्शन में सिर्फ 10-12 महिलाओं की मौजूदगी पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा। उन्होंने एक फोटो शेयर कर लिखा- बीजेपी वाले 12 करोड़ महिलाओं वाले यूपी में सिर्फ 12 महिलाओं को भेजते हैं। कहा जा रहा है कि अखिलेश के इस पोस्ट ने बीजेपी को काफी शर्मिंदगी में डाल दिया, जिसकी वजह से पार्टी आला कमान दोनों ही नेताओं से नाराज है। सूत्रों के मुताबिक यूपी बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी और महासचिव धर्मपाल सिंह सहित कई बड़े नेता इस घटना से नाराज हैं। उनका कहना है कि बिना पार्टी की अनुमति के और इतनी कम संख्या में प्रदर्शन करना पूरी पार्टी को बदनाम करने जैसा था। पार्टी सूत्रों के मुताबिक अपर्णा यादव और ऋतु शाही से या तो लिखित स्पष्टीकरण मांगा जा सकता है या फिर मौखिक जवाब।

बता दें मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव 2022 में सपा छोड़कर बीजेपी में शामिल हुई थीं। ऋतु शाही एसटीएफ के डिप्टी एसपी धर्मेश कुमार शाही की पत्नी हैं और पहले बीजेपी की गोरखपुर इकाई की महिला विंग की कोषाध्यक्ष रह चुकी हैं। बताया जा रहा है कि इस पूरे प्रकरण से बीजेपी की रणनीति को धक्का लगा है, महिला आरक्षण बिल पर विपक्ष के विरोध के बाद इसे बड़ा मुद्दा बनाने के फ़िराक में है। फिलहाल दोनों महिला नेताओं की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

तुम से न हो पाएगा... कहकर तेज प्रताप यादव ने राहुल गांधी पर कस दिया तंज

इंडिया गठबंधन को प्रियंका गांधी वाड्रा ही चला सकती

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से इंडिया गठबंधन नहीं चल पाएगा है। लालू के बड़े बेटे ने कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कर सकती हैं और उनमें यह क्षमता है। तेज प्रताप ने कहा, प्रियंका गांधी वाड्रा ही चला सकती हैं। वे इंदिरा गांधी जी की तरह हैं। राहुल गांधी से गठबंधन चलने वाला नहीं है। यात्रा निकालने से या फिर बुलेट पर बैठ जाने से गठबंधन नहीं चलता। इस तरह तेज प्रताप ने कांग्रेस के सर्वोसर्वा राहुल गांधी पर ही सीधा सवाल उठा दिया है।

नीतीश कुमार के बिहार का मुख्यमंत्री पद छोड़ने को लेकर राहुल गांधी ने कहा था कि वह कंप्रोमाइज हुए हैं और इसकारण भाजपा के दबाव में इस्तीफा दिया है। इस बोर में तेज प्रताप से पूछा गया, तब उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इन्हीं सब चीजों में फंसे रहने वाले है। शुरू में बुलेट चलाते हुए उनका शौक पूरा नहीं हुआ। अब उन्हें कुर्सी पर बैठने का लालच हुआ है। वह जो कुकिंग कर रहे थे और मीट-मुर्गा बना रहे थे, वही बनाते रहें। तेज ने कहा, प्रियंका गांधी ही चला सकती हैं। राहुल गांधी जी से चलने वाला नहीं है। तेज प्रताप ने कहा कि अब नीतीश के मुख्यमंत्री पद छोड़ने पर बात कर रहे हैं। नीतीश छोड़कर गए, तब दूसरे नेता आए और सीएम बन गए। राहुल गांधी को बिहार को लेकर लालच क्यों लग रहा है। उन्हें क्या यहां पर मुख्यमंत्री का पद चाहिए।

बात दें कि तेज प्रताप यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव में आरजेडी से बगावत की थी। वह अपने जनसत्ता दल की ओर से ही खुद लड़े थे और कैंडिडेट भी उतारे थे। हालांकि तेज प्रताप यादव खुद हार गए थे और उनके उतारे किसी कैंडिडेट को भी जीत नहीं मिली थी। तेज प्रताप अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव के खिलाफ चुनाव में सीधे हमले करते नहीं दिखे थे, लेकिन उनके करीबियों पर खूब बाण चलाए थे। इतना ही नहीं उनकी बहन रोहिणी आचार्य भी अक्सर सोशल मीडिया पर तेज प्रताप का ही समर्थन करती दिखती हैं। बता दें कि आरजेडी में इस फूट को भी हार की एक वजह माना जाता है।

भारत और रूस एक-दूसरे के देशों में हजारों सैनिक, फाइटर जेट और वॉरशिप तैनात करने की तैयारी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-ईरान जंग के बीच एक बड़ी हलचल हुई है। जिसका ध्यान पूरी दुनिया से खींचा है। दरअसल भारत और रूस एक दूसरे की जमीन पर अपने हजारों सैनिक, फाइटर जेट और वॉरशिप तैनात करने की तैयारी शुरू कर रहे हैं। बता दें कि भारत और रूस के बीच रीलॉस यानी कि रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट समझौता पूरी तरह से लागू हो गया है। इसके तहत दोनों देश एक दूसरे के एयरबेस, नेवल बेस और सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल कर सकते हैं और वह भी पूरी सफाई के साथ ऑपरेशन कर सकते है। इस डील की सबसे बड़ी ताकत इसकी क्षमता है। अब दोनों देश एक साथ 3000 सैनिक, 10 मिलिट्री एयरक्राफ्ट और पांच वॉरशिप्स एक दूसरे के क्षेत्र में तैनात कर सकते हैं। लेकिन असली खेल सिर्फ तैनाती नहीं है बल्कि उस तैनाती को मिलने वाला पूरा सपोर्ट है। यानी कि रिफ्यूलिंग, रिपेयर, मेंटेनेंस, मेडिकल और ट्रांसपोर्ट यानी पूरी युद्ध मशीन को कहीं भी चलाने की ताकत।

अब भारत की सेना सिर्फ अपने क्षेत्र तक सीमित नहीं बल्कि जरूरत पड़ने पर दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में तेजी से ऑपरेट कर सकती है। बात दें कि आज दुनिया एक नए पावर गेम में है। जहां हर देश अपने सप्लाई रूट्स और मिलिट्री रीच को सुरक्षित करने में लगा है। दूसरी वजह दुनिया भर में चीन का बढ़ता असर है। चीन लगातार एशिया और इंडोपेसिफिक में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। इसके बाद भारत के लिए अपनी मौजूदगी बढ़ाना जरूरी था। तीसरी वजह रूस की रणनीति को मना जा रहा है। पश्चिमी दबाव के बीच रूस को इसतरह के पार्टनर की जरूरत थी जिस पर भरोसा कर सके और भारत रुस के लिए दुनिया में सबसे भरोसेमंद दोस्त है। इस बीच भारत ने जो रास्ता चुना है वह सबसे अलग है ना पूरी तरह किसी एक के साथ और ना किसी के खिलाफ बल्कि अपने हितों के हिसाब से हर बड़े देश के साथ संतुलन बनाकर चलना।

रूस के पास आर्कटिक से लेकर यूरोप तक फैले सैन्य बेस है और इस डील के बाद भारत को इन इलाकों में एक्सेस मिल सकता है। खासकर आर्कटिक जहां भविष्य के नए समुद्री रास्ते बन रहे हैं। यानी आने वाले समय में व्यापार और संसाधनों पर सीधा असर होगा। दूसरा लॉजिस्टिक मतलब रियल पावर मिलना है। युद्ध सिर्फ हथियारों से नहीं बल्कि सप्लाई से भी जीता जाता है। अब भारत और रूस एक दूसरे को फ्यूल, रिपेयर बेस सपोर्ट दे सकते है। मतलब जहां जरूरत वहां ऑपरेशन आसान। तीसरा स्ट्रेटेजिक ऑटोनोमी जिसका पहले हमने जिक्र किया। यानी कि भारत ने अमेरिका के साथ एलई एमओए किया और अब रूस के साथ रिलोस। मतलब साफ है भारत किसी एक गुट में नहीं बल्कि हर बड़ी ताकत के साथ संतुलन बनाकर चल रहा है।

धधकती धरती: विकास की दौड़ या विनाश की ओर?

योगेश कुमार गोयल

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है।

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चचाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चचाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को 'विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है।

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी

सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्ण पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी।

धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।

संपादकीय

छात्रों का आत्मघात

कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में दो महीनों के दौरान चार छात्रों द्वारा आत्महत्या करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह संस्थान ही नहीं, शैक्षिक जगत और उनके परिवारों की भी अपूरणीय क्षति है। घटनाएं तकनीकी संस्थानों में तनाव प्रबंधन और मानसिक उपचार की खामियों को भी उजागर करती हैं। कोई व्यक्ति आत्मघाती कदम तब ही उठाता है जब उसे उम्मीद के सारे दरवाजे बंद नजर आते हैं। इस घातक कदम को उठाने से पहले वो तनाव के चरम से जूझते हुए किस मानसिक कष्ट से गुजरता होगा, अंदाज लगाना कठिन नहीं है। उसकी मनःस्थिति इतनी हताशा से भरी होती है कि आत्महत्या जैसा पीड़ादायक-घातक रास्ता उसे समाधान नजर आता है। विडंबना है कि हम संभावनाओं के इस दुखद अंत को मूकदर्शक बने देखते हैं। हम आत्महत्या के आंकड़ों व संख्या का जिक्र ही करते हैं, लेकिन उसे पाल-पोसकर बड़ा करने वाले मां-बाप पर हुए वज्रपात का अहसास नहीं करते। उच्च तकनीकी संस्थान की दहलीज तक पहुंचने में बच्चे कितना शरीर को गलाते हैं। उन्हें पालने-पोसने व बड़ा करने में मां-बाप अपना खून पसीना एक कर देते हैं। हर बच्चा चांदी का चम्मच लेकर पैदा नहीं होता। उसके इस मुकाम तक पहुंचने में माता-पिता का त्याग शामिल होता है। कई अभिभावक बैंकों से कर्ज लेकर इन तकनीकी संस्थानों में बच्चों का एडमिशन कराते हैं। कई पैरेंट्स इस लायक बनाने के लिये पैसा कोचिंग संस्थानों में बहाते हैं। फिर एक दिन खबर आती है कि उनकी उम्मीदों ने आत्मघात कर लिया। हमें उनके दर्द को अपने दर्द की तरह महसूस करना चाहिए। इन घटनाओं के बाद एनआईटी ने एक पांच सदस्यीय जांच समिति बनायी है। लेकिन क्या समिति उन बच्चों का जीवन लौटा पाएगी? दूसरी ओर राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से प्रकरण में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। वहीं एनआईटी ने छात्रों की समस्याओं को दूर करने के लिये कुछ अलग समितियां भी बनायी हैं। देश के विभिन्न उच्च तकनीकी संस्थानों में छात्रों के आत्मघात की खबरें अकसर आती हैं। कुछ साल पहले शिक्षा मंत्रालय ने संसद को बताया था कि साल 2018-2023 के बीच उच्च शिक्षा संस्थानों के 98 छात्रों ने आत्महत्या की थी। इनमें सबसे ज्यादा सबसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान आईआईटी में हुई थी। उसके बाद आत्मघात करने वाले छात्र एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के थे। जाहिर है इन संस्थानों में कुछ तो ऐसा घट रहा है, जिससे हमारी संवेदनशील प्रतिभाएं साम्य नहीं बैठा पा रही हैं। विडंबना यह है कि देश के हर संस्थान व शासन-प्रशासन के स्तर पर आग लगने पर कुआं खोदने की मनोवृत्ति बनी हुई है। इन संस्थानों में पूरे देश की चुनिंदा प्रतिभाएं ही पहुंचती हैं। जो एक गलाकाट स्पर्धा के दौर से गुजरकर यहां तक आती हैं। लेकिन हमारी शिक्षा व्यवस्था का ढांचा ऐसा है जो बच्चों को किताबी कीड़ा तो बनाता है, लेकिन चुनौतियों से जूझने लायक नहीं बनाता। अब वे शिक्षक भी नहीं रहे जो छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर पढ़ाएं।

चिंतन-मनन

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका। जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सवार्गीण विवेचन उपलब्ध है। मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग।इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है।अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं। वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है। किसी व्यक्ति ने तपस्या की है और जागरुकता के साथ धर्म की आराधना की है, तो उसका फल समाधिमय मृत्यु ही है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

स्पेस में बढ़ता मलबा और सैटेलाइट की सुरक्षा बनी चुनौती

कांतिलाल मांडोत

पिछले दो दशकों में अंतरिक्ष गतिविधियों में जिस तेजी से वृद्धि हुई है, उसने मानवता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, लेकिन इसके साथ एक गंभीर खतरा भी पैदा हो गया है। यह खतरा है अंतरिक्ष में तेजी से बढ़ते मलबे का, जिसे अब वैज्ञानिक ह्यस्पेस डेब्रिसह्ण के नाम से पहचानते हैं। 2005 से 2025 के बीच भारत सहित दुनिया के कई देशों ने सैकड़ों उपग्रह अंतरिक्ष में स्थापित किए, जिससे पृथ्वी की कक्षा पहले की तुलना में कहीं अधिक भीड़भाड़ वाली हो गई है। इस स्थिति ने सैटेलाइट की सुरक्षा को एक बड़ी चुनौती बना दिया है।

भारत की अंतरिक्ष एजेंसी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने इस खतरे को गंभीरता से लेते हुए कई बार अपने उपग्रहों और मिशनों को संभावित टकराव से बचाने के लिए कक्षा में बदलाव किया है। हाल के वर्षों में उपग्रहों और चंद्र मिशनों को कुल 18 बार खतरे से बचाने के लिए रास्ता बदलना पड़ा, जिनमें से अधिकांश मामले अंतरिक्ष मलबे से जुड़े थे। यह केवल तकनीकी चुनौती नहीं है, बल्कि यह भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों की सुरक्षा और सफलता से भी जुड़ा हुआ विषय बन चुका है।

अंतरिक्ष में मलबे की समस्या अब एक वैश्विक चिंता बन चुकी है। विभिन्न शोधों के अनुसार, पृथ्वी की कक्षा में 10 सेंटीमीटर से बड़े लगभग 40,000 मलबे के टुकड़े मौजूद हैं, जबकि 1 सेंटीमीटर से बड़े टुकड़ों की संख्या 12 लाख के करीब पहुंच चुकी है। यह मलबा पुराने उपग्रहों के अवशेष, रॉकेट के टूटे हिस्से और टकराव से उत्पन्न कणों का मिश्रण है। इनकी रफ्तार लगभग 28,000 किलोमीटर प्रति घंटा होती है, जो किसी भी सक्रिय उपग्रह के लिए बेहद खतरनाक है। इतनी तेज गति से चलने वाला एक छोटा सा टुकड़ा भी किसी सैटेलाइट को पूरी तरह नष्ट कर सकता है।

भारत के चंद्र मिशन भी इस खतरे से अछूते नहीं हैं। चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर को 2025 में कई बार अपनी कक्षा बदलनी पड़ी। अकेले इस मिशन के लिए 16 बार ऑर्बिट मैन्यूवर किए गए, ताकि संभावित टकराव से बचा जा सके। यह दशार्ता है कि अब अंतरिक्ष में काम करना पहले की तुलना में कहीं अधिक जटिल और जोखिम भरा हो गया है। हर मिशन को न केवल अपने वैज्ञानिक उद्देश्यों पर ध्यान देना होता है, बल्कि उसे सुरक्षित बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है। अंतरिक्ष में बढ़ती भीड़ का एक और असर लॉन्चिंग प्रक्रियाओं पर भी पड़ा है। कई बार रॉकेट लॉन्च को अंतिम क्षणों में टालना पड़ता है ताकि वह मलबे के रास्ते से बच सके। एक मामले में भारत को अपने एक मिशन की लॉन्चिंग 41 सेकंड तक टालनी पड़ी, ताकि संभावित टकराव से बचा जा सके। यह छोटी सी देरी दिखने में मामूली लग सकती है, लेकिन इसके पीछे अत्यंत जटिल गणनाएं और सुरक्षा उपाय होते हैं।

इस चुनौती से निपटने के लिए भारत ने ह्यनेत्रह्ण परियोजना की शुरूआत की है। प्रोजेक्ट नेत्र का उद्देश्य अंतरिक्ष में मौजूद मलबे और अन्य वस्तुओं की निगरानी करना है। इसके तहत उन्नत ट्रैकिंग सिस्टम विकसित किए जा रहे हैं, जो 10 सेंटीमीटर तक के मलबे को भी पहचान सकें। यह प्रणाली भविष्य में सैटेलाइट्स को समय रहते खतरे से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

दुनिया के अन्य देश भी इस समस्या के समाधान के लिए प्रयास कर रहे हैं। अमेरिका उन्नत कोलिजन अवॉइडेंस सॉफ्टवेयर विकसित कर रहा है और 2030 तक सक्रिय मलबा हटाने वाली तकनीकों को तैनात करने की योजना बना रहा है। चीन ने विशाल ग्राउंड-बेस्ड टेलीस्कोप सिस्टम तैयार किया है, जो अंतरिक्ष में मौजूद वस्तुओं की निगरानी करता है और उपग्रहों को सुरक्षित कक्षा में स्थानांतरित करने में मदद करता है। वहीं यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी मलबे को हटाने के लिए नई तकनीकों पर काम कर रही है, जिनमें छोटे कणों को जलाकर नष्ट करना या उनकी दिशा बदलना शामिल है।

अंतरिक्ष में मलबे की समस्या केवल तकनीकी नहीं है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भी मांग करती है। जैसे-जैसे अधिक देश और निजी कंपनियां अंतरिक्ष में प्रवेश कर रही हैं, यह जरूरी हो गया है कि सभी एक साझा नियम और जिम्मेदारी के तहत काम करें। अगर इस दिशा में समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में अंतरिक्ष अभियानों की लागत और जोखिम दोनों बढ़ सकते हैं।

स्पेस डेब्रिस का बढ़ता खतरा हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि अंतरिक्ष अब केवल खोज और विकास का क्षेत्र नहीं रह गया है, बल्कि इसकी सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी हो गई है। आने वाले वर्षों में सैटेलाइट्स की संख्या और बढ़ेगी, जिससे यह चुनौती और गंभीर हो सकती है। ऐसे में वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष एजेंसियों के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वे नई तकनीकों और रणनीतियों के माध्यम से इस समस्या का समाधान निकालें।

अंततः यह कहा जा सकता है कि अंतरिक्ष में बढ़ता मलबा मानवता के लिए एक चेतावनी है। यदि हम समय रहते सतर्क नहीं हुए, तो यह हमारी सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धियों के लिए खतरा बन सकता है। इसलिए सैटेलाइट की सुरक्षा अब केवल एक तकनीकी मुद्दा नहीं, बल्कि वैश्विक जिम्मेदारी बन चुकी है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता: सुविधा का वरदान या मूल्यों का संकट

ललित गर्ग

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मयार्दाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है। यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है।

वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह

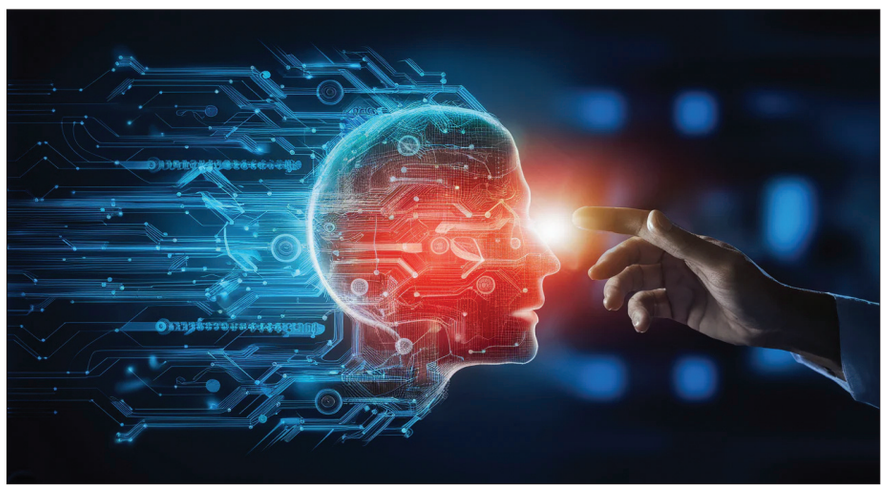

समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम, तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय, अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है। इस प्रकार यह तकनीक केवल सामाजिक या नैतिक ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चुनौती भी बन रही है। इन सभी चिंताओं के बीच यह समझना आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नकारा नहीं जा सकता। यह आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है और चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन तथा उत्पादन के क्षेत्र में इसके योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के स्वरूप में है। यदि इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तो यह एक वरदान सिद्ध हो सकती है।

इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि इसके विकास और उपयोग के लिए स्पष्ट और सशक्त नियम बनाए जाएं। सरकारों और संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक का उपयोग पारदर्शी, सुरक्षित और उत्तरदायी तरीके से हो। कंपनियों को अपने तंत्र में ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की भ्रामक सामग्री की पहचान और नियंत्रण संभव हो सके। साथ ही नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल साक्षरता के बिना कोई भी समाज इस चुनौती का सामना नहीं कर सकता। लोगों को यह समझना होगा कि जो कुछ वे देख या सुन रहे हैं, वह हमेशा सत्य नहीं हो सकता। सत्यापन की प्रवृत्ति को विकसित करना समय की आवश्यकता है। नैतिकता के स्तर पर यह भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले आंकड़े निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले हों। यदि आधार ही पक्षपाती होगा, तो परिणाम भी पक्षपाती होंगे। इससे सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता, गोपनीयता और उत्तरदायित्व जैसे सिद्धांतों को इसके विकास का आधार बनाना होगा।

सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तकनीकी विकास हमारी परंपराओं और मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे। हमारी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है, किंतु यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसका उपयोग सम्मानपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। साररूप में यह कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली साधन है, जो मानव जीवन को नई दिशा दे सकता है। किंतु यदि इसे नैतिकता से अलग कर दिया जाए, तो यह उसी गति से विनाश का कारण भी बन सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के विकास के साथ-साथ अपने नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करें। विज्ञान और मानवीय संवेदना के बीच संतुलन ही वह मार्ग है, जो हमें सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है।

अमरोहा से भाजपा को लगा तगड़ा झटका

राजेंद्र सिंह खड्गवंशी ब्लाक प्रमुख गंगेश्वरी अपने समर्थकों के साथ भाजपा छोड़ हुए सपा में शामिल

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विधानसभा 42 हसनपुर के विधायक महेंद्र सिंह खड्गवंशी के सगे भाई राजेंद्र सिंह खड्गवंशी मंगलवार को अपने सैकड़ो समर्थकों के साथ लखनऊ पहुंचकर भाजपा को छोड़ सपा में शामिल हो गए। ज्ञात रहे कि जनपद के विकासखंड गंगेश्वरी के वर्तमान ब्लाक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड्गवंशी की फोटो अखिलेश यादव के साथ पहले भी वायरल हुई थी। उस समय से ही लगातार राजेंद्र सिंह खड्गवंशी की समाजवादी पार्टी में शामिल होने की चर्चा आम हो गई थी लेकिन तब कोई भी जानकारी ऐसी नहीं मिली थी की राजेंद्र सिंह खड्गवंशी ने भाजपा को त्याग दिया है। वही अब दूसरी तरफ मंगलवार को राजेंद्र सिंह खड्गवंशी अपने सैकड़ो समर्थकों के साथ लखनऊ पहुंच कर भाजपा को छोड़ समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए हैं।

जिसकी पुष्टि उन्होंने फोन पर स्वयं की है। इतना ही नहीं आपको बता दें कि राजेंद्र सिंह खड्गवंशी विधानसभा 42 के विधायक महेंद्र सिंह खड्गवंशी के सगे भाई हैं। अब ऐसे में राजेंद्र सिंह खड्गवंशी का सपा में जाना अपने आप में अहम है। वहीं दूसरी तरफ राजेंद्र सिंह खड्गवंशी की पत्नी भी हसनपुर ब्लॉक से ब्लॉक प्रमुख व जिला पंचायत सदस्य भी रह चुकी हैं। राजेंद्र सिंह खड़कवंशी के द्वारा भाजपा को छोड़कर समाजवादी पार्टी में जाने से राजनीतिक गलियारों में हलचल शुरू हो गई है।

खड्गवंशी समाज ने हमेशा दिया है भाजपा का साथ

वही अब सवाल यह भी उठता है कि खड्गवंशी समाज ने हमेशा से भाजपा का साथ दिया है और भाजपा ने भी अपना खड्गवंशी समाज को वोटबैंक माना है। अब ऐसे में सवाल यह उठता है कि राजेंद्र सिंह खड्गवंशी खुद खड्गवंशी समाज के चहैतें हैं। खड्गवंशी समाज राजेंद्र सिंह खड्गवंशी को भी निराश नहीं कर सकता। तो ऐसे में लगता है कि अमरोहा जनपद की हसनपुर विधानसभा पर इस बार बड़ा उलट फेर हो सकता है।

राजनीतिक गलियारों में हलचल, आम जनमानस में चर्चा

राजेंद्र सिंह खड्गवंशी के द्वारा सपा का दामन थामने पर राजनीतिक गलियारों में तो हलचल हो ही गई है लेकिन साथ ही आम जनमानस में भी चर्चा अब तेज हो गई है। आम जनमानस के ग्रुपों में राजेंद्र सिंह खड्गवंशी व उनकी पत्नी और समर्थको के द्वारा सपा का दामन थामने के फोटो लगातार वायरल हो रहे हैं। गांव व मोहल्ले में लोगों ने इकट्ठा होकर राजनीतिक समीकरण लगाने शुरू कर दिए हैं। लोग कहने लगे हैं कि इस बार हसनपुर विधानसभा पर भाजपा को करारा झटका लग सकता है और साइकिल चल सकती है।

भाजपा जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी ने कहा

वहीं दूसरी तरफ भाजपा जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी ने कहा कि राजेंद्र सिंह खड्गवंशी सपा में शामिल तो हुए हैं लेकिन उन्हें अखिलेश यादव के द्वारा समाजवादी पार्टी का पटका तक भी नहीं पहनाया गया है। उसका मुख्य कारण यह है की वह जबरदस्ती सपा में शामिल हुए हैं उनका अपना कोई अस्तित्व नहीं है और ना ही उनके सपा में शामिल होने से भाजपा पर किसी प्रकार का कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

शिक्षकों ने घर-घर जाकर जगाई शिक्षा की अलख

नवीन नामांकन हेतु अभिभावकों को किया प्रेरित

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- मंगलवार को विकास खंड क्षेत्र गंगेश्वरी के प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'स्कूल चलो अभियान' के तहत आज ग्राम गुलामपुर में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विद्यालय के शिक्षकों और प्रबंध समिति के सदस्यों ने गांव की गलियों में घूमकर अभिभावकों से जन सम्पर्क किया और नवीन नामांकन हेतु उन्हें प्रेरित किया। जनसंपर्क अभियान के दौरान शिक्षकों और विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों ने घर-घर जाकर अभिभावकों से मुलाकात की। इस अभियान का मुख्य केंद्र बिंदु वे परिवार रहे, जिनके बच्चे 6 से 14 वर्ष की आयु वर्ग के हैं, किंतु किन्हीं कारणोंवश अभी तक विद्यालय की मुख्यधारा से नहीं जुड़ पाए हैं। शिक्षकों ने अभिभावकों को शिक्षा के महत्व को समझाते हुए अपने बच्चों का नामांकन सरकारी स्कूल में कराने के लिए प्रेरित किया। प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक रामवीर सिंह ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही वह एकमात्र ऐसा माध्यम है, जिससे गरीबी के चक्र को तोड़कर बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाया जा सकता है। उन्होंने परिषदीय विद्यालयों में सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं की जानकारी भी अभिभावकों से साझा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अप्रैल माह नवीन नामांकन के लिए सबसे महत्वपूर्ण समय है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षा हर बच्चे का मौलिक अधिकार है और उनका लक्ष्य है कि गुलामपुर गांव का एक भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित न रहे। इस अवसर पर ग्राम प्रधान राजकुमार रटउ अध्यक्ष इंद्र सिंह, उपाध्यक्ष अंजू,सदस्य प्रथी सिंह, संतोष सिंह, दीपचंद सिंह, गुड्डू सिंह,डॉ. नरेंद्र सिंह,सहायक अध्यापक अमित कुमार, मनीष कुमार, रेनू कंसल, राशिद अली, संतराम सिंह, संतोष,राजवती,लीलावती आदि उपस्थित रहे।

अमरोहा में पॉक्सो एक्ट एवं सपोर्ट पर्सन विषयक विस्तृत कार्यशाला आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के तत्वावधान में जनपद न्यायालय परिसर, अमरोहा में पॉक्सो एक्ट (POCSO Act) एवं सपोर्ट पर्सन के संबंध में एक महत्वपूर्ण एवं जागरूकतापरक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालकों के विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम, पीड़ित बच्चों को त्वरित न्याय उपलब्ध कराना तथा न्यायिक प्रक्रिया के दौरान उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान करने के संबंध में विस्तृत जानकारी देना रहा। कार्यशाला का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विवेक द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पॉक्सो अधिनियम बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा प्रदान करने हेतु बनाया गया एक सशक्त एवं संवेदनशील कानून है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में त्वरित सुनवाई, गोपनीयता, पीड़ित बालक बालिका की गरिमा की रक्षा तथा मनोवैज्ञानिक सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को समन्वय स्थापित कर कार्य करने तथा पीड़ित बच्चों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। जनपद न्यायाधीश ने कहा कि समाज में जागरूकता बढ़ाना भी उतना ही आवश्यक है, जिससे बच्चों के प्रति होने वाले अपराधों की समय रहते सूचना मिल सके तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका, प्रशासन, पुलिस, चिकित्सा विभाग एवं समाजसेवी संस्थाओं के संयुक्त प्रयास से ही ऐसे अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हेमलता त्यागी, अपर जिला जज, अमरोहा ने पॉक्सो अधिनियम के विभिन्न कानूनी प्रावधानों, न्यायालयीन प्रक्रिया, साक्ष्य संकलन, बाल पीड़ितों के अधिकारों तथा सपोर्ट पर्सन की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सपोर्ट पर्सन पीड़ित बच्चों को न्यायिक प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में भावनात्मक, सामाजिक एवं व्यवहारिक सहयोग प्रदान करते हैं, जिससे बच्चा भयमुक्त होकर अपनी बात रख सके। उन्होंने कहा कि सपोर्ट पर्सन की जिम्मेदारी केवल न्यायालय तक सीमित नहीं है, बल्कि पीडित बालक बालिका एवं उनके परिवार को आवश्यक परामर्श, मार्गदर्शन तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देना भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का हिस्सा है। इस अवसर पर अरविंद कुमार शुक्ला, अपर जिला जज भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि पॉक्सो मामलों में संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाना समय की आवश्यकता है तथा प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी को बाल अधिकारों के प्रति सजग रहना चाहिए। कार्यशाला में न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता, पुलिस विभाग के अधिकारी, बाल कल्याण समिति से जुड़े सदस्य, महिला कल्याण विभाग के प्रतिनिधि, पराविधिक स्वयंसेवक एवं अन्य संबंधित अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों द्वारा विषय से संबंधित जिज्ञासाएं भी रखी गई, जिनका विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया। कार्यक्रम के अंत में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के सचिव न्यायाधीश अभिषेक कुमार व्यास ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों से कानून की सही जानकारी समाज तक पहुंचती है तथा पीड़ितों को समयबद्ध न्याय दिलाने की दिशा में सकारात्मक वातावरण तैयार होता है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाने की बात कही।

गजरौला में जनगणना 2027 की क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- मंगलवार को एबीएसए गजरौला सभागार में "जनगणना 2027" के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों का प्रथम चरण का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। बता दें कि शिविर में प्रशिक्षण प्रभारी अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद गजरौला के प्रशिक्षण आर्थियों को संबोधित करते हुए कहा गया कि प्रत्येक प्रगणक एवं सुपरवाइजर अपने आवंटित क्षेत्र में पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करें, उन्होंने जनगणना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समस्त टीम को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए।प्रशिक्षण कार्यक्रम में फील्ड ट्रेनर अवधेश कुमार एवं नवनीत कुमार द्वारा प्रगणकों व सुपरवाइजरों को जनगणना की तकनीकी बारिकियों, डेटा संग्रहण एवं प्रपत्र को शुद्धता के साथ भरने हेतु विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षकों ने स्पष्ट किया की जनगणना राष्ट्र के नियोजन का आधार है अतः इनमें त्रुटि की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए।

उक्त प्रशिक्षण प्रभारी खंड शिक्षा अधिकारी आरती गुप्ता ने शिक्षा विभाग की ओर से प्रगणकों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रशिक्षण के दौरान अनुशासन बनाए रखते हुए सभी प्रगणकों ने जनगणना कार्य को निर्धारित मानकों के अनुसार पूर्ण करने का संकल्प लिया इस अवसर पर शिविर में प्रशिक्षण प्रभारी एवं अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्य ,उक्त प्रशिक्षण प्रभारी खंड शिक्षा अधिकारी आरती गुप्ता, फील्ड ट्रेनर अवधेश कुमार एवं नवनीत कुमार लिपिक, ललित कुमार, कंप्यूटर ऑपरेटर रविंद्र सिंह ,अक्षय शुक्ला, दीपू कुमार ,कपिल भटनागर, सुमित एवं प्रगणकों सहित सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

डीएम ने किया दि किसान सहकारी चीनी मिल्स लि0, गजरौला-हसनपुर और त्रिवेणी ग्रुप की चीनी मिल चन्दनपुर का निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी नितिन गौड़ ने दि किसान सहकारी चीनी मिल्स लि०गजरौला-हसनपुर और त्रिवेणी ग्रुप की चीनी मिल चन्दनपुर का निरीक्षण किया गया। दि किसान सहकारी चीनी मिल्स लि०, गजरौला-हसनपुर में निरीक्षण के दौरान मिल में चल रहे रिपेयर मेंटेनेंस के कार्य की प्रगति को देखा गया, जिसमें प्रभारी मुख्य अभियंता द्वारा विस्तार पूर्वक मिल के उपकरणों के बारे में बताया गया तथा केन कैरियर की चैन, लेबलर, कटर एवं फाइब्राइजर तथा मिलिंग इत्यादि के कार्य प्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई, वर्तमान में मिल में उपकरणों की डिस्मेंटलिंग का कार्य चल रहा है। मिल में लगभग 75 से 80 प्रतिशत डिस्मेंटलिंग का कार्य कर लिया गया है। मुख्य रसायनविद् के द्वारा ब्वॉयालिंग हाउस के सयंत्रो के सम्बन्ध में विस्तरित जानकारी दी गई, जिसमें उनके द्वारा बताया गया कि किस प्रकार मिलिंग के उपरान्त प्राप्त जूस को प्रोसेस करके तथा मिल्क ऑफ लाईम एवं सल्फर का उपयोग करके जूस का शोधन किया जाता है। उनके द्वारा जूस से चीनी बनने की प्रक्रिया को भी समझाया गया। वर्तमान में ब्वॉयलिंग हाउस के उपकरणों की धुलाई एवं इवेपोरेटर वॉडिज की सफाई का कार्य चल रहा है, इस समय मिल के विभिन्न उपकरणों के खोलने का कार्य चल रहा है। वर्तमान में कार्य की प्रगति संतोषजनक है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया गया, कि मिल प्रबन्धन हेतु वित्तीय शुचिता / मितव्ययता एवं तकनीकी परिणामों की समीक्षा तथा परिणामों के सुधार हेतु कार्ययोजना तैयार की जाये, जिससे मिल बेहतर परिणाम प्राप्त कर आर्थिक रूप से अधिक सुदृढ़ हो सके। त्रिवेणी ग्रुप की चीनी मिल चन्दनपुर के भ्रमण के दौरान केन कैरियर से लेकर मिल हाउस, वायलिंग हाउस तक के मेन्टीनेन्स के कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान चीनी मिल के उपाध्यक्ष (शुगर) आमोद कुमार शर्मा जी के द्वारा चीनी मिल के विभिन्न कार्य स्थलों का विस्तार से वर्णन करते हुए मेन्टीनेंस के बारे में अवगत कराया जिससे जिलाधिकारी महोदय के द्वारा मेन्टीनेंस के किये गये कार्यों के प्रति संतोष व्यक्त किया गया। चीनी मिल भ्रमण के दौरान चीनी मिल के सभी विभागाध्यक्ष भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, उप जिलाधिकारी हसनपुर हिमांशु उपाध्याय, जिला गन्ना अधिकारी, प्रधान प्रबन्धक गुलशन, उपाध्यक्ष (शुगर) आमोद कुमार शर्मा, मुख्य रसायनविद् दिलीप सोलंकी, प्रभारी मुख्य अभियंता, वैभव सिंह, मुख्य लेखाकार मेवालाल पासी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

धनौरा एवं बछरायूं के उपभोक्ताओं को मिली राहत,क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने पर लगी रोक

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा एवं बछरायूं के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य फिलहाल विभाग की तरफ से रोक दिया गया है। यह फैसला तकनीकी गड़बड़ियां, अत्यधिक बिलों एवं असमय बिजली कटौती की शिकायतों के बाद जनता के भारी विरोध को देखते हुए शासन ने लिया है। अब शासन के अगले आदेश तक क्षेत्र में नए स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जाएंगे। शासन के इस फैसले से हजारों उपभोक्ताओं को राहत मिली है।

बता दें कि इन स्मार्ट मीटरों को लेकर लंबे समय से उपभोक्ताओं और विभिन्न संगठनों में आक्रोश था। उत्तर प्रदेश व्यापारी संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार जैन ने इसे आम जनता के साथ 'कुठाराघात' बताया था। सावन भटनागर, शेखर सिद्धू, उमेश सैनी, वीरेंद्र सैनी और रिंकू सिंह जैसे स्थानीय उपभोक्ताओं ने इन मीटरों से छुटकारा दिलाने की मांग की थी। बताते चलें कि भारतीय किसान यूनियन टिकैत, भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति, भारतीय किसान यूनियन शंकर आदि सभी क्षेत्र के किसान संगठन भी लगातार इस प्रक्रिया का विरोध कर रहे थे।रविवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट की बैठक में यूनियन नेता आलोक कुमार ने स्मार्ट मीटर का खुलकर विरोध किया था। वहीं भारतीय किसान यूनियन असली के जिला प्रवक्ता नरेश कुमार हर बैठक में स्मार्ट मीटर किसान और गरीब जनता के खिलाफ बताकर विरोध दर्ज करा रहे थे।विद्युत विभाग के एसडीओ राजन सिंह ने बताया कि स्मार्ट मीटरों से संबंधित लगातार मिल रही शिकायतों को शासन ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश शासन के निदेर्शानुसार, अब पूरी जांच-पड़ताल के बाद ही स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। वर्तमान में मीटर लगाने का काम पूरी तरह से रोक दिया गया है।विद्युत विभाग के आंकड़ों के अनुसार, मंडी धनौरा (शहरी) में 7,689 में से 4,831, बछरायूं (शहरी) में 4,450 में से 2,980, बछरायूं (देहात) में 17,824 में से 1,718 और धनौरा (देहात) में 17,927 में से 1,530 स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके थे। शासन के इस निर्णय से उन हजारों उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिली है, जिनके यहां अभी मीटर लगने शेष थे। विभाग अब मौजूदा मीटरों की खामियों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

धनौरा में खाद से भरे ट्रक ने बाइक सवारों को मारी टक्कर, मासूम सहित तीन घायल

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के धनौरा मार्ग पर स्थित ग्राम कमेलपुर में मंगलवार को एक अनियंत्रित खाद से भरे ट्रक ने बाइक सवार परिवार को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर सवार एक युवक और एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि चार वर्षीय मासूम को हल्की चोटें आईं। मौके पर मौजूद राहगीरों ने घायलों को तुरंत धनौरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

बता दें कि प्राप्त जानकारी के मुताबिक जनपद बिजनौर के चांदपुर तहसील स्थित ग्राम मीरापुर निवासी चंद्रभान सिंह (पुत्र किशन सिंह) अपनी रिश्तेदार स्वाति (पत्नी जयपाल सिंह) और एक चार साल के बच्चे के साथ बाइक पर सवार होकर अपने गांव लौट रहे थे। यह परिवार धनौरा क्षेत्र में एक शादी समारोह में शामिल होकर वापस मीरापुर जा रहा था।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यह हादसा ग्राम कमेलपुर में प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक के पास हुआ। धनौरा की दिशा से खाद भरकर आ रहा एक ट्रक कमेलपुर खाद सोसाइटी की ओर जा रहा था। इसी दौरान ट्रक ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार तीनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से चोटिल हो गए।दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय निवासियों और राहगीरों ने तत्काल निजी वाहनों की मदद से सभी घायलों को धनौरा अस्पताल पहुंचाया।

जिलाधिकारी ने जनपद में निमार्णाधीन 50 लाख से अधिक लागत की परियोजनाओं की समीक्षा की

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जनपद में निमार्णाधीन 50 लाख से अधिक लागत वाली परियोजनाओं (सड़कों को छोड़कर) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएम द्वारा अमरोहा शहर की जल निकासी हेतु वॉटर ड्रेनेज के अंतर्गत नाला निर्माण कार्य, तहसील नौगांव सादात के आवासीय एवं अनवासीय भूमि निर्माण कार्य, धनौरा में प्राचीन शिव मंदिर पत्थर कुटी के पर्यटन विकास कार्य, गजरौला में बूढ़े बाबू तलाब मायापुरी के विकास कार्य, पुनर्गठन पेयजल योजना, राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय, गजरौला में मैरिज हॉल निर्माण कार्य और साइबर क्राइम थाना निर्माण कार्य सहित अन्य निमार्णाधीन परियोजनाओं की समीक्षा की गयी। नितिन गौड़ ने कहा कि सभी विकास एवं निर्माण कार्यों को निर्धारित समयसीमा के अंदर गुणवत्ता बनाए रखते हुए पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिए कि परियोजनाओं की नियमित समीक्षा करें और उन्हें समयबद्धता तथा गुणवत्ता के साथ पूरा करें। पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं को तुरंत सीएमआईएस पोर्टल पर अपलोड किया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन पर विशेष ध्यान दिया जाए। अगर कहीं एडवर्ड रिपोर्टिंग हुई तो उसको ठीक कराया जाए। अगर कार्य खराब हो तो नियमानुसार कार्रवाई की जाए। स्पष्ट किया कि गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं एवं विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन परियोजनाओं में भौतिक प्रगति 90 से 100 प्रतिशत के बीच है और जो अंतिम चरण में हैं, उन्हें व्यक्तिगत रुचि लेकर शीघ्र पूर्ण कर हस्तांतरण की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, ताकि सरकार की मंशा के अनुरूप विकास कार्यों का लाभ जनमानस को मिल सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिन परियोजनाओं में पर्याप्त धनराशि उपलब्ध है, उसका शीघ्र व्यय कर कार्यों में तेजी लाई जाए। डीएम ने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों की प्रगति में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, पीडी डीआरडीए अंबरीश कुमार, अर्थ एवं संख्या अधिकारी अमित कुमार सहित संबंधित विभागीय अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विलादत-ए-रसूल पर राहगीरों को पिलाया गया शर्बत, भाईचारे और मोहब्बत का संदेश

संभल(सब का सपना):- पैगम्बर हजरत मौहम्मद सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की विलादत के पावन अवसर पर रजा एकेडमी के तत्वावधान में सोमवार को मुंबई के विभिन्न स्थानों पर सबील लगाकर राहगीरों को ठंडा शर्बत वितरित किया गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में एकेडमी के कार्यकताओं और समाजसेवियों ने भाग लिया तथा लोगों को शर्बत पिलाकर इंसानियत, भाईचारे और मोहब्बत का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान तंजीम उलामा-ए-अहले सुन्नत संभल के महासचिव मौलाना फैजान अशरफ

हामिदी ने कहा कि पैगम्बर हजरत मौहम्मद सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की शिक्षाएं पूरी मानवता के लिए मार्गदर्शक हैं, जो हमें आपसी प्रेम, सहिष्णुता और सेवा का पाठ पढ़ाती हैं।

वहीं अल्हाज सईद नूरी ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विलादत के मौके पर सेवा गतिविधियां आयोजित की गईं, ताकि समाज में एकता और सद्भाव को बढ़ावा दिया जा सके।

राहगीरों ने इस पहल की सराहना करते हुए आयोजकों का धन्यवाद व्यक्त किया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुआ।

इस मौके पर मुफ़्ती फरीदुज्जमां, मौलाना बुरहान अशरफ, मौ. आरिफ रिजवी, यूसुफ पठान, राशिद शेख, अल्ताफ मुल्तानी, सिराज कपाड़िया, फिरोज दुरानीं, अमजद रजा, वाजिद नूरी सहित कई लोग मौजूद रहे।

बीमा राशि देने से डाक विभाग का इंकार, आयोग ने लगाई फटकार

उपभोक्ता आयोग का आदेश दस लाख रुपये ब्याज सहित दो माह में करें भुगतान

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के ग्राम करनपुर कास्त निवासी गौतम की मां शकुंतला द्वारा जीवनकाल में 8 मार्च 2022 को डाक विभाग से 10 लाख रुपये की ग्रामीण डाक जीवन सुरक्षा बीमा पॉलिसी ली गई थी। 19 फरवरी 2023 को शकुंतला की मृत्यु हो जाने के बाद नामित पुत्र गौतम ने सभी औपचारिकताएं पूरी कर बीमा धनराशि के लिए आवेदन किया, लेकिन विभाग ने भुगतान से यह कहकर इंकार कर दिया कि पड़ोसियों के अनुसार मृतका पहले से बीमार थी।

इस पर गौतम ने उपभोक्ता मामलों के विशेषज्ञ अधिवक्ता लव मोहन वार्ष्णेय से संपर्क किया, जिन्होंने जिला उपभोक्ता आयोग सम्भल में परिवाद दाखिल किया। सुनवाई के दौरान बीमा विभाग ने पड़ोसियों के बयान को आधार बनाते हुए अपना पक्ष रखा, जिसका अधिवक्ता द्वारा कड़ा विरोध किया गया। उन्होंने आयोग को बताया कि बिना किसी चिकित्सीय प्रमाण के किसी को बीमार मानना उचित नहीं है और केवल पड़ोसियों के बयान के आधार पर बीमा क्लेम खारिज नहीं किया जा सकता।

दोनों पक्षों को सुनने के बाद आयोग ने फैसला सुनाते हुए ग्रामीण डाक जीवन बीमा को निर्देशित किया कि वह परिवादी को 10 लाख रुपये की बीमा राशि परिवाद दायर करने की तिथि से 7% वार्षिक ब्याज सहित दो माह के भीतर अदा करे। साथ ही मानसिक कष्ट और आर्थिक हानि के लिए 10 हजार रुपये तथा वाद व्यय के रूप में 5 हजार रुपये भी देने के आदेश दिए गए। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि निर्धारित समय में भुगतान न होने की स्थिति में ब्याज की दर 9% वार्षिक हो जाएगी।

जनगणना-2027 के प्रशिक्षण का दूसरा दिन सम्पन्न, एडीएम ने किया औचक निरीक्षण

डिजिटल जनगणना को लेकर दिए सख्त निर्देश, अनुपस्थित कर्मियों पर होगी कार्रवाई

सम्भल(सब का सपना):- भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं गणना) को सफल बनाने के लिए प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है। मंगलवार को प्रशिक्षण का दूसरा दिन सम्पन्न हुआ। द्वितीय दिवस पर अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) एवं जिला जनगणना अधिकारी प्रदीप वर्मा ने चन्दौसी स्थित एक विद्यालय में चल रहे प्रशिक्षण का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने फील्ड ट्रेनर्स के माध्यम से दिए जा रहे प्रशिक्षण की गुणवत्ता की समीक्षा की और कर्मियों को जनगणना के महत्व से अवगत कराया।

अपर जिलाधिकारी ने कहा कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जा रही है, इसलिए प्रशिक्षण की गुणवत्ता बेहद अहम है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी कर्मी इस राष्ट्रीय कार्य को निष्ठा, पारदर्शिता और सटीकता के साथ पूरा करें तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने जानकारी दी कि प्रशिक्षण का अगला चरण 28 से 30 अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा, जिसके लिए बैच निर्धारित कर दिए गए हैं। सभी संबंधित कर्मियों को समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

बताया गया कि 20 से 22 अप्रैल तक आयोजित प्रथम चरण के प्रशिक्षण के लिए जनपद में 36 बैच बनाए गए हैं, जिनमें कुल 1640 प्रगणक और पर्यवेक्षक शामिल हैं। पहले दिन 1566 कर्मचारी उपस्थित रहे जबकि 74 अनुपस्थित रहे। वहीं दूसरे दिन 1564 कर्मचारी उपस्थित रहे और 76 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए।

अनुपस्थित कर्मचारियों के खिलाफ जनगणना अधिनियम 1948 की धाराओं के तहत कार्रवाई के लिए संबंधित विभागाध्यक्षों को पत्र भेजे जा रहे हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

लापरवाह कर्मियों पर सख्ती, आयुष्मान व आभा आईडी में प्रगति न होने पर वेतन रोकने के निर्देश

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व में दिए गए निदेर्शों के अनुपालन की समीक्षा की गई। नए स्वास्थ्य उपकेंद्रों के निर्माण को लेकर अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत आशीष सिंह ने बताया कि 34 उपकेंद्रों के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित कर लिए गए हैं। इस पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए कि जिन कार्मिकों को बार-बार चेतावनी दी जा रही है और फिर भी प्रगति नहीं हो रही है, उनकी अलग फाइल तैयार की जाए। आयुष्मान कार्ड और आभा आईडी में खराब प्रगति पर नाराजगी जताते हुए संबंधित बीसीपीएम, बीपीएम और डीआईयू कर्मियों का वेतन प्रगति होने तक रोकने के निर्देश दिए गए।

आयुष्मान भारत योजना, जननी सुरक्षा योजना, एनसीडी स्क्रीनिंग (हाइपरटेंशन व डायबिटीज), ई-संजीवनी, एफआरयूएस समेत विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। जननी सुरक्षा योजना के भुगतान को लेकर सीएचसी/पीएचसी स्तर पर वास्तविक आंकड़ों और पोर्टल डेटा में सुधार के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हातिम सराय को एनक्यूएएस प्रमाणन प्राप्त हुआ है, जो मुरादाबाद मंडल का पहला पूर्णतः प्रमाणित नगरीय स्वास्थ्य केंद्र बन गया है। इसके अलावा 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चल रहे संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 10 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चल रहे दस्तक अभियान की भी समीक्षा की गई। पशुपालन विभाग को सूकर पालन केंद्र संचालकों को जागरूक करने तथा कृषि विभाग को चूहों व छछूंदर से फैलने वाली बीमारियों के प्रति लोगों को सचेत करने के निर्देश दिए गए। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार, डीपीएम संजीव राठौर सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

अक्षय तृतीया पर मदन मोहन मंदिर में नई प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा, भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- नगर के कैथल गेट स्थित नया मंदिर के नाम से विख्यात मदन मोहन महाराज मंदिर में हाल ही में मदन मोहन महाराज की नई प्रतिमा स्थापित की गई।

अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर स्वर्गीय बाबू ब्रजकिशोर के परिवार द्वारा वैदिक रीति-रिवाज एवं मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ व विशेष पूजा-अर्चना कर विधिवत प्राण-प्रतिष्ठा कराई गई। इस दौरान बड़ी

संख्या में महिला श्रद्धालुओं ने ढोलक व मंजीरों की थाप पर भजन-कीर्तन कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके उपरांत मंगलवार को भगवान को भोग अर्पित कर भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन स्व. बाबू ब्रजकिशोर के परिवार–राजकिशोर, प्रेम किशोर, नेम किशोर, गिर्राज किशोर, कमल किशोर, ललित किशोर, प्रभात किशोर सहित समस्त परिवारजनों द्वारा किया गया। पूरा आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ।

तीन माह से वेतन न मिलने पर आशा संगिनियों का धरना, सौंपा ज्ञापन

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र की आशा संगिनियों ने तीन माह से वेतन न मिलने पर नाराजगी जताते हुए प्रभारी चिकित्साधिकारी को ज्ञापन सौंपा। एक दिवसीय धरना देकर उन्होंने अपनी समस्याओं से अवगत कराया और शीघ्र भुगतान की मांग की।

ज्ञापन में आशा संगिनियों ने बताया कि पिछले तीन महीनों से उन्हें वेतन नहीं मिला है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। रोजमर्रा के खर्चों के साथ-साथ पारिवारिक जिम्मेदारियों को निभाने में भी उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

वेतन न मिलने से बढ़ा रोष। आशा

कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे लगातार स्वास्थ्य सेवाओं में अपनी भूमिका निभा रही हैं, इसके बावजूद समय पर मानदेय न मिलना उनके साथ अन्याय है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने को बाध्य होंगी।

इन आशा संगिनियों ने सौंपा ज्ञापन। ज्ञापन देने वालों में पूनम शर्मा (जमालपुर किरत), कजरानी, मानुदेवी (तेलीपुरा), प्रतीक्षा, बिंदु (बिदुना), सुदेश (देवरे), बबीता, रीतू सिंह (मुजाहिदपुर), गेनू देवी (सैदपुर आफी), समीता देवी (अधाई अहीर), राजरानी (गोहबर), विनीता देवी (अधाई अहीर), चन्द्रावती (जलालपुर-मोरना), उषा देवी (इस्माइलपुर), राजबाला (नगी), बीना देवी (मोरना), पुनम देवी (मोरना), गीता देवी (नांगल जाजू), जयवाला (हसनपुर बिल्लौच) और मंजू सैनी (मुबारकपुर नवादा) सहित अन्य शामिल रहीं।

आशा संगिनियों ने प्रशासन से मांग की है कि उनका लंबित वेतन शीघ्र जारी किया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक परेशानी से राहत मिल सके।

यातायात पुलिस की मुस्तैदी से मिला खोया बैग, लाखों का समान सुरक्षित बरामद

जेवर व शादी के कपड़े सही–सलामत लौटाए, पीड़ित परिवार ने पुलिस की जमकर की सराहना

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- जनपद के चंदौसी चौराहा पर मंगलवार को यातायात पुलिस की सतर्कता और तत्परता का एक उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला, जब कुछ ही समय में खोया हुआ बैग ढूंढकर उसके असली मालिक को सौंप दिया गया।

जानकारी के अनुसार ग्राम जनेटा निवासी नफीस अहमद ने यातायात पुलिस को सूचना दी कि उनके बहनोई जमालुद्दीन ई-रिक्शा से चौराहे पर पहुंचे थे, जहां जल्दबाजी में उनका बैग ई-रिक्शा में ही छूट गया। बाद में पता चला कि रिक्शा सिरसी की ओर चला गया है। बैग में कीमती सामान होने के कारण

परिजन काफी चिंतित हो गए।

सूचना मिलते ही चौराहे पर तैनात यातयात उप निरीक्षक अनीस अहमद तथा उनकी टीम ने बिना देर किए सक्रियता दिखाते हुए ई-रिक्शा की तलाश शुरू कर दी। आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन और पूछताछ के बाद कुछ ही समय में ई-रिक्शा को खोज निकाला गया। तलाशी लेने पर बैग सुरक्षित बरामद हो गया, जिसे तुरंत नफीस अहमद को सुपुर्द कर दिया गया। बरामद बैग में करीब 70 से 80 हजार रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात और शादी समारोह में पहनने के लगभग 10 जोड़ी कपड़े रखे हुए थे। सभी सामान पूरी तरह सुरक्षित मिलने पर परिवार के लोगों ने राहत की सांस ली।

बैग वापस मिलने के बाद नफीस अहमद और उनके बहनोई जमालुद्दीन ने पुलिस की तत्परता, ईमानदारी और संवेदनशीलता की खुले दिल से सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिस की तेज कार्रवाई के कारण उनका कीमती सामान समय रहते सुरक्षित मिल गया, जिसके लिए वे पुलिस के आभारी हैं। स्थानीय लोगों ने भी इस कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह की मुस्तैदी से आमजन का पुलिस पर भरोसा और मजबूत होता है।

कांशीराम कॉलोनी में युवती की चाकू से हत्या, आरोपी ने खुद पर भी किया हमला

बिजनौर (सब का सपना):- काशीराम कॉलोनी स्थित रामलीला ग्राउंड क्षेत्र में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक ने युवती की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी ने खुद पर भी चाकू से हमला कर लिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, राहुल नामक युवक युवती के घर अपने किस्त के पैसे लेने गया था। बताया जा रहा है कि वह पहले भी कई बार पैसे मांग चुका था, लेकिन युवती द्वारा भुगतान नहीं किया गया। सोमवार को भी जब उसने पैसे मांगे और युवती ने इनकार किया, तो विवाद बढ़ गया। आरोप है कि इसी दौरान गुस्से में आकर राहुल ने युवती पर ताबड़तोड़ चाकू से वार कर दिए, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।घटना के तुरंत बाद आरोपी युवक ने खुद को भी चाकू से घायल कर लिया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

युवती की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। रो-रोकर उनका बुरा हाल है, वहीं पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और घटना के हर पहलू को खंगाला जा रहा है।

कलेक्ट्रेट सभागार में खेल व युवा कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में क्रीड़ा विभाग एवं युवा कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने युवक मंगल दलों की प्रगति की जानकारी ली और निर्देश दिए कि उन्हें मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि यदि युवक मंगल दलों के पास स्वयं का उद्योग होगा तो वे अन्य युवाओं को

भी रोजगार के लिए प्रेरित कर सकेंगे। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि युवा कल्याण विभाग और खेल विभाग मिलकर ग्रामीण क्षेत्रों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा दें। ग्राम पंचायत स्तर पर खेल मैदानों की उपलब्धता और स्थिति की भी समीक्षा करने को कहा गया।

बैठक में खेल विभाग की गतिविधियों पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही विवेकानंद यूथ अवार्ड के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर प्रभारी जिला युवा कल्याण अधिकारी विनीत सिद्धू, समस्त क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी तथा खेल विभाग से शूटिंग कोच मयंक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डीएमसी बिजनौर रविता राठी को सौंपा गंगाजल कलश

बिजनौर (सब का सपना):- लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिजनौर की डीएमसी रविता राठी को गंगाजल का पवित्र कलश सौंपते हुए श्री सोमनाथ यात्रा के लिए शुभकामनाएं प्रदान कीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उनकी यात्रा मंगलमय होने की कामना करते हुए आशीर्वाद दिया। डीएमसी रविता राठी ने मुख्यमंत्री के प्रति हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनके लिए अत्यंत सम्मान और प्रेरणा का क्षण है। मुख्यमंत्री जी के स्नेह, आशीर्वाद

और शुभकामनाओं से उत्साहित रविता राठी ने कहा कि वह इस पावन अवसर को सदैव स्मरण रखेंगी। इस दौरान उपस्थित लोगों ने भी मुख्यमंत्री जी के इस स्नेहपूर्ण व्यवहार की सराहना की। गौरतलब है कि डीएमसी रविता राठी महिलाओं के लिए कार्य करने के साथ ही सरकार की योजनाओं का भी व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार करती है।

वह सोशल मीडिया प्लेटफार्म का सदुपयोग कर घर घर सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचा रही है।

सोशल मीडिया पर उन्हें फॉलो करने वालों की तादात भी बहुत ज्यादा है, इस कारण सरकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने में वह एक मजबूत माध्यम बनी हुई है।

हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र में घर में घुसकर स्कूल वैन चालक को मारी गोली, हालत नाजुक

हीमपुर दीपा/बिजनौर (सब का सपना):- हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र के गांव सिसौना में देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब अज्ञात हमलावरों ने घर में घुसकर एक स्कूल वैन चालक को गोली मार दी। गंभीर रूप से घायल युवक को पहले बिजनौर और फिर मेरठ रेफर किया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रावटी निवासी सौरभ पुत्र सुदेश एक शादी समारोह में शामिल होने गया था, जहां किसी बात को लेकर उसका विवाद हो गया। परिजनों के मुताबिक, विवाद के बाद कुछ युवक सौरभ के घर पहुंचे और उससे संबंधित बात करते हुए उसका इंतजार करने लगे।

करीब आधे घंटे बाद जैसे ही सौरभ घर पहुंचा, पहले से मौजूद हमलावरों ने उसकी कनपटी से सटाकर गोली मार दी। गोली लगते ही सौरभ जमीन पर गिर पड़ा और घर में अफरा-तफरी मच गई। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए, हालांकि जल्दबाजी में वे एक बाइक वहीं छोड़ गए।

गंभीर हालत में मेरठ रेफर

घायल सौरभ को आनन-फानन में जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे मेरठ रेफर कर दिया गया। फिलहाल उसका उपचार जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हलचल मच गई। क्षेत्राधिकारी देश दीपक सिंह समेत स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। गांव में एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। वही पुलिस ने मौके से बरामद बाइक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि बाइक जिस व्यक्ति की है, वह परिवार सहित फरार है।

सूत्रों के अनुसार, घायल सौरभ और आरोपी दोनों ही क्षेत्र के जेके इंटरनेशनल स्कूल में वाहन चालक के रूप में कार्यरत हैं, जिससे आपसी रंजिश की आशंका भी जताई जा रही है। सुबह होते ही एसपी ग्रामीण भी थाने पहुंचे और घटना की जानकारी लेकर पुलिस को आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

नूरपुर रोड पर रात का कहर, दो युवकों की मौत

घटना के बाद मौके पर जुटी भीड़, परिजनों में मचा कोहराम

बिजनौर (सब का सपना):- धामपुर थाना क्षेत्र में नूरपुर रोड पर देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और परिजनों में कोहराम छा गया। जानकारी के अनुसार वजीदपुर निवासी समीर (22) और रिहान उर्फ उजेब (21) बाइक से धामपुर की ओर जा रहे थे। वहीं नींदड़ू निवासी मोहम्मद कैफ (20) और शेरकोट निवासी सूफियान (20) स्कूटी से अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही दोनों वाहन नूरपुर रोड स्थित एक पेट्रोल पंप के पास पहुंचे, आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार समीर और स्कूटी चालक कैफ की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि रिहान और सूफियान गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

घटना की खबर मिलते ही मृतकों के परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच गए। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

धामपुर क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे ने बताया कि प्रथम दृष्टया हादसे का कारण तेज रफ्तार और दृश्यता में कमी माना जा रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि गेहूं की कटाई के दौरान उड़ रही धूल भी दुर्घटना का एक कारण हो सकती है, जिसकी जांच की जा रही है।

पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जिला सैनिक बंधु बैठक में पूर्व सैनिकों की समस्याओं पर गंभीर मंथन

बिजनौर (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में जिला सैनिक बंधु की बैठक आयोजित की गई, जिसमें पूर्व सैनिकों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सुना गया और उनके समाधान के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि पिछली बैठकों में लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी विभागीय स्तर पर समस्या आ रही है, तो उसे तत्काल उनके संज्ञान में लाया जाए, ताकि संबंधित

अधिकारी से समाधान कराया जा सके। पूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान पर जोर देते हुए बैठक में उपस्थित पूर्व सैनिकों ने सड़क, भूमि विवाद, शस्त्र लाइसेंस, अवैध अतिक्रमण जैसी विभिन्न समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखी गयीं। जिलाधिकारी ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन पूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सैनिक बंधु बैठक एक प्रभावी मंच के रूप में कार्य कर रही है, जिसका अधिकतम लाभ सुनिश्चित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने शिकायतकताओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि सभी समस्याओं का समयबद्ध और प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाएगा, ताकि पूर्व सैनिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बैठक में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन अनिल गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं पूर्व सैनिक बंधु उपस्थित रहे।

आपत्तिजनक पोस्ट से मचा बवाल, पुलिस ने संभाला मोर्चा

तहरीर के आधार पर दर्ज हुआ केस, आरोपी जेल भेजा

बिजनौर (सब का सपना):- धामपुर क्षेत्र में सोशल मीडिया पर करणी सेना के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करना एक युवक को भारी पड़ गया। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार 18 अप्रैल को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक युवक द्वारा करणी सेना और उसके कार्यकताओं के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए पोस्ट की गई थी। पोस्ट वायरल होते ही संगठन के कार्यकताओं में रोष फैल गया और कार्रवाई की मांग उठने लगी।

इस संबंध में मानपुर शिवपुरी निवासी करणी सेना कार्यकर्ता अनुज ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

धामपुर कोतवाली प्रभारी मृदुल कुमार सिंह ने बताया कि जांच के दौरान आरोपी की पहचान जित्तनपुर निवासी राजन पुत्र हरपाल के रूप में हुई। पुलिस ने दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए चालान कर दिया गया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है। पुलिस ने लोगों से सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी से व्यवहार करने और आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट न करने की अपील भी की है।

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा युवा इकाई की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी घोषित

बिजनौर (सब का सपना):- अखिल भारतीय गुर्जर महासभा की युवा इकाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. नचिकेत मुखी पटेल ने नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। संगठन की इस कार्यकारिणी में विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए कुल 3 उपाध्यक्ष, 5 महामंत्री, 6 मंत्री, 1 आईटी सेल संयोजक, 1 प्रवक्ता और 13 राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किए गए हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष के अनुसार, डॉ. आर.आर. गुर्जर (मध्य प्रदेश), डॉ. प्रफुल्ल पटेल (महाराष्ट्र) और धार्मिक भाई मालवीया पटेल को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है।

वहीं चिराग घेलाभाई काकड़िया पटेल (गुजरात), दीपक बैंसला (दिल्ली), डॉ. प्रियांक पटेल (महाराष्ट्र), रामअवतार बड़िया (राजस्थान) और विकास जांगल एडवोकेट को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

राष्ट्रीय मंत्रियों में दिपकभाई लक्ष्मणभाई पटेल (गुजरात), मुश्ताक गोरसी (जम्मू-कश्मीर), मयूर पाटिल (महाराष्ट्र), दर्शन जिंदड़ (पंजाब), अनिल बिड़ला गुर्जर (मध्य प्रदेश), सुभाष जेलदार (हरियाणा) और धीरज वैसोया एडवोकेट (दिल्ली) को शामिल किया गया है।

हेमंत विट्ठलभाई पटेल (गुजरात) को आईटी सेल का राष्ट्रीय संयोजक और राजेश उद्धव पटेल (गुजरात) को राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। इसके अलावा विभिन्न राज्यों से 13 सदस्यों को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल किया गया है।

संगठन के राष्ट्रीय मंत्री डॉ. मनोज कटारिया ने जानकारी देते हुए बताया कि यह घोषणा राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक पुरुषोत्तम पाटील एवं राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बच्चू सिंह बैंसला की स्वीकृति के बाद की गई है।

डॉ. मनोज कटारिया ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि संगठन के सभी सदस्य एकजुट होकर गुर्जर समाज के उत्थान और संगठन के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई टीम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य करेगी।

बिजनौर टाइगर-गंगा हेरिटेज बस सेवा की तैयारी

डीएम ने रोडवेज को कार्ययोजना बनाकर शासन को भेजने के निर्देश दिए

बिजनौर (सब का सपना):- जिले में पर्यटन और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन ने नई पहल की तैयारी शुरू कर दी है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला उद्योग बंधु की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी जसजीत कौर ने बिजनौर टाइगर-गंगा हेरिटेज नाम से विशेष बस सेवा शुरू करने की कार्ययोजना तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी ने एआरएम रोडवेज को निर्देशित किया कि प्रस्तावित बस सेवा के लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार कर शीघ्र शासन को प्रेषित की जाए, ताकि जिले के पर्यटन स्थलों को बढ़ावा मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने फ्लाई ऐश आधारित उत्पादों को बढ़ावा देने के

लिए पीडब्ल्यूडी द्वारा ब्रिक्स चैप्टर के एसओआर में दरें निर्धारित करने के प्रस्ताव पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने औद्योगिक नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि अधिक से अधिक निवेश आकर्षित कर रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएं। उन्होंने निवेशकों को बेहतर सुविधाएं देने और उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित मामलों को जल्द निपटाने को कहा। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत बैंकों को निर्देशित किया गया कि आवेदनों की गुणवत्ता के साथ जांच कर स्वीकृति दी जाए, ताकि अधिक से अधिक लाभार्थियों को योजना का लाभ मिल सके। एमओयू क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने हस्ताक्षरित समझौतों को जल्द धरातल पर लाने के निर्देश दिए। बैठक में उद्यमियों ने बिजली, सड़क, परिवहन, भूमि आवंटन, बैंक ऋण और प्रदूषण अनुमति से जुड़ी समस्याएं उठाईं, जिन पर जिलाधिकारी ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की गई।

गौशालाओं को लेकर सख्त हुई जिलाधिकारी, अक्रियाशील केंद्रों को तुरंत चालू करने के निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- जिले में संचालित गौ आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं को लेकर जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कड़ा रुख अपनाया है। कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आयोजित जिला स्तरीय समिति की बैठक में उन्होंने अक्रियाशील गौशालाओं को तत्काल क्रियाशील करने और निमार्णाधीन गौशालाओं को शीघ्र पूर्ण कर विभाग को सौंपने के निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान चारागाह भूमि की मैपिंग और उसमें चारा उगाने की कार्रवाई न होने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों–एसडीएम, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी और खंड विकास अधिकारियों–को फटकार लगाते हुए आपसी समन्वय से हरे चारे की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी गौ आश्रय स्थलों पर गौवंश का टीकाकरण और शत-प्रतिशत टैगिंग सुनिश्चित की जाए। साथ ही आगामी त्योहारों को देखते हुए शहरी व

ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों पर घूम रहे गौवंश पर विशेष निगरानी रखने को कहा, ताकि दुर्घटनाओं से बचाव हो सके। बैठक में गौ आश्रय स्थल ननुपुरा के प्रबंधन में खामियां सामने आने पर संबंधित संस्था को चेतावनी दी गई कि यदि संचालन में सुधार नहीं हुआ तो प्रबंधन स्थानीय निकाय को सौंप दिया जाएगा।

क्षमता से अधिक गौवंश पाए जाने पर जिलाधिकारी ने अतिरिक्त शेड निर्माण कराने के निर्देश दिए। साथ ही भूसा, हरा चारा और दाना की उपलब्धता का नियमित रिकॉर्ड ऐप पर अपलोड करने के निर्देश ग्राम विकास सचिवों को दिए गए।

मृत गौवंश के सम्मानजनक निस्तारण के लिए प्रत्येक गौ आश्रय स्थल के पास भूमि चिन्हित कर ह्लगौवंश समाधि स्थलह्व विकसित करने और वहां बोर्ड लगाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रण विजय सिंह, एसडीएम सदर रितु चौधरी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी लोकेश कुमार अग्रवाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जन शिकायतों के निस्तारण में ढिलाई नहीं चलेगी

तहसीलदार और ईओ पर डीएम ने जताई नाराजगी

बिजनौर (सब का सपना):- जन शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी जसजीत कौर ने आइजीआरएस पोर्टल पर डिफॉल्टर पाए गए अधिकारियों पर नाराजगी जताते हुए जवाब तलब करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद कुछ अधिकारी शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरत रहे हैं, जो स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने तहसीलदार चांदपुर तथा नगर पालिका नगीना और बिजनौर के अधिशासी अधिकारियों से जवाब तलब करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि जन शिकायतों का गुणवत्तापरक और समयबद्ध निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए

कहा कि यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आई तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि आइजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का प्रतिदिन अवलोकन किया जाए और उन्हें पूर्ण मानक व गुणवत्ता के साथ शीघ्र निस्तारित किया जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी प्रकरण डिफॉल्टर या असंतोषजनक श्रेणी में नहीं आना चाहिए। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि शासन स्तर पर जन शिकायतों को लेकर गंभीरता बरती जा रही है और पारदर्शिता के साथ समस्याओं का समाधान अनिवार्य है। यदि किसी अधिकारी का मामला डिफॉल्टर पाया जाता है तो उसके खिलाफ एकपक्षीय कार्रवाई करते हुए शासन को अवगत कराया जाएगा। इस दौरान ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर विकास त्यागी ने आइजीआरएस पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक शरद कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कौशलेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस का विशेष अभियान सफल, 149 विवेचनाएं निस्तारित, 62 वारंटी गिरफ्तार

बुलन्दशहर (सब का सपना):- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में चलाए गए दो दिवसीय विशेष अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। 19 से 20 अप्रैल तक चले इस अभियान के दौरान 149 लंबित विवेचनाओं का निस्तारण किया गया, वहीं 62 एनबीडब्ल्यू/वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अंतरिक्ष जैन की अगुवाई में सभी थाना प्रभारियों और विवेचकों के साथ समीक्षा बैठक कर अभियान को प्रभावी ढंग से चलाया गया।

अभियान में थाना खुर्जा नगर पुलिस ने सबसे अधिक 25 विवेचनाएं निस्तारित कीं, जबकि थाना जहांगीराबाद पुलिस ने सर्वाधिक 11 वारंटियों को गिरफ्तार कर प्रमुख भूमिका निभाई।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, लंबित मामलों के शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए आगे भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे।

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का सफल आयोजन

बुलन्दशहर (सब का सपना):- कल्याण सिंह राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, बुलंदशहर में नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम के तहत विभिन्न जागरूकता एवं शैक्षणिक गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज में सकारात्मक संदेश देना रहा।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को महिला सशक्तिकरण विषय पर उन्मुख किया गया तथा छात्रों ने प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किए। महाविद्यालय के विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों और स्टाफ ने मिलकर जागरूकता रैली भी निकाली। साथ ही संबद्ध चिकित्सालय में विशेष व्याख्यान एवं रैली का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. संजय मिश्रा, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. धीर सिंह एवं विभागाध्यक्ष डॉ. शिल्पा मित्तल के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस दौरान विभिन्न विभागों के चिकित्सकों, संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। महाविद्यालय प्रशासन ने सभी प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की प्रतिबद्धता जताई।

माटीकला कौशल विकास योजना के तहत 15 दिवसीय प्रशिक्षण, आवेदन शुरू

बुलन्दशहर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित माटीकला कौशल विकास योजना के अंतर्गत जनपद में माटीकला व्यवसाय से जुड़े व्यक्तियों के लिए 15 दिवसीय आवासीय शिल्पकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है।

प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को प्रशिक्षुवृत्ति भी दी जाएगी। योजना के तहत 18 वर्ष से अधिक आयु, साक्षर एवं माटीकला की पारंपरिक जानकारी रखने वाले व्यक्ति आवेदन कर सकते हैं।

राशन कार्ड के आधार पर एक परिवार से एक ही सदस्य का चयन होगा, जबकि दिव्यांग, बीपीएल परिवार एवं महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी UP Mati Kala Board Official Portal पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए फोटो, शैक्षिक प्रमाणपत्र, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, राशन कार्ड एवं जाति प्रमाण पत्र अपलोड करना अनिवार्य है।

भाकियू (शंकर) प्रतिनिधिमंडल ने की नवागत जिलाधिकारी से शिष्टाचार भेंट

अमरोहा (सब का सपना):- मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन (शंकर) का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह के नेतृत्व में नवागत जिलाधिकारी नितिन गौड़ से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट करने पहुँचा। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने देश के किसानों के सम्मान के प्रतीक ह्लहलह्व भेंट कर जिलाधिकारी का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

बता दें कि जिलाधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए आश्वासन दिया कि जनपद के किसानों एवं आमजन की समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों के सम्मान में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी तथा उनकी प्रमुख समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।प्रतिनिधिमंडल द्वारा किसानों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों को जिलाधिकारी के समक्ष प्रमुखता से रखा गया, जिनमें गन्ना मूल्य का बकाया भुगतान, चकबंदी प्रक्रिया में हो रही अनियमितताएं, गंगा तट तिगरी धाम पर स्वच्छता व्यवस्था, तथा गजरौला में ट्रॉमा सेंटर की स्थापना जैसे विषय शामिल रहे। जिलाधिकारी ने इन सभी बिंदुओं पर गंभीरता से कार्यवाही का भरोसा दिलाया।इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से बबीता रानी, मंजू चौधरी, प्रियंका भटनागर, कुसुमलता चौधरी, नेमपाल सिंह, चौधरी धर्मवीर सिंह, चौधरी राकेश सिंह, विक्रम पवार, डॉ. गौतम, मनोज, जगत सिंह चौहान, सत्यवीर सिंह (प्रवक्ता), रवि चौधरी, कैप्टन वीर सिंह चौहान, लोकेश प्रधान, राजपाल सैनी, समरपाल सैनी, नरेश, पप्पू, आफताब, मास्टर शमीम, मास्टर सत्येंद्र, शेर सिंह राणा, मास्टर अर्जुन सिंह, तिलक राम सिंह, सत्यवीर सिंह सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।भाकियू (शंकर) ने आशा व्यक्त की कि प्रशासन एवं पुलिस विभाग के सहयोग से क्षेत्र में किसानों एवं आमजन की समस्याओं का शीघ्र एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित होगा।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर डीएम की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

अमरोहा(सब का सपना):- जनपद में पुलिस होमगार्ड्स भर्ती परीक्षा की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई, जिसमें पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव भी उपस्थित रहे।

बैठक में डीएम ने निर्देश दिए कि 25, 26 और 27 अप्रैल को आयोजित होने वाली परीक्षा को पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और नकलविहीन तरीके से संपन्न कराया जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए सभी अधिकारी अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें। जनपद में परीक्षा 10 केंद्रों पर प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित होगी, जिसमें कुल 28,224 अभ्यर्थी शामिल होंगे। प्रत्येक पाली में 4704 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। पहली पाली सुबह 10 से 12 बजे और दूसरी पाली दोपहर 3 से 5 बजे तक चलेगी।

डीएम ने सभी केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी, पर्याप्त पुलिस बल, पेयजल, विद्युत आपूर्ति और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि परीक्षा केंद्रों के अंदर मोबाइल, ब्लूटूथ, स्मार्ट वॉच समेत सभी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे। केवल प्रवेश पत्र और पहचान पत्र के साथ ही अभ्यर्थियों को प्रवेश मिलेगा। महिला अभ्यर्थियों की जांच महिला कर्मियों द्वारा ही कराई जाएगी।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सभी केंद्रों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं और यातायात व्यवस्था को भी सुचारु बनाया गया है ताकि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में अपर जिलाधिकारी गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया सहित सेक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रिपल मर्डर के आरोपी अधेड ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर के अम्बेडकर नगर में ट्रिपल मर्डर करने के आरोपी अधेड़ वद्र ने पानी का विवाद तथा मस्जिद में हुई पिटाई का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को एसएसपी से लिखित में शिकायत की थी प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के अम्बेडकर नगर निवासी सईद पुत्र हपीज उम्र करीब 65 वर्ष ने नगर के बाराखंबा चौराहे के पास कब्रिस्तान में एक पेड़ से लटक कर फांसी लगा कर आत्महत्या करने का मामला संज्ञान में आया है घटना की सूचना पा कर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते

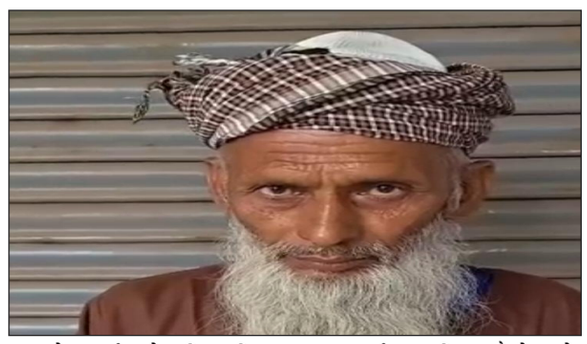

हुए पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया कोतवाली प्रभारी निरीक्षक यज्ञदत्त शर्मा, ने बताया कि मृतक की तरफ से अभी तक कोई प्रार्थना पत्र नहीं मिला है अगर प्रार्थना पत्र मिलता है तो उसके आधार पर मुकदमा पंजीकृत करते हुए जांच कर कार्रवाई की जाएगी मृतक का इतिहास सईद ने वर्ष 2021 में मंगलवार की रात सोते समय अपनी पत्नी और तीन बेटियों के सिर पर हथौड़े से हमला किया था हमले में पत्नी शकील (50) और दो बेटीयों, रजिया (20) और शबाना (15) की मौके पर ही मौत हो गई थी तथा तीसरी बेटी सुल्तान (18) उस हमले में गम्भीर रूप से घायल हो गई थी जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल से मेरठ रेपर किया गया था पुलिस के अनुसार आरोपी अपनी पत्नी और बेटियों के चरित्र पर शक करता था और उन्हें अन्य पुरुषों से बात करने पर एतराज जताता था हालांकि मृतक आरोपी करीब तीन वर्ष जेल की सजा काट चुका है।

फरीदाबाद पुलिस से तेज स्ट्रीट डॉगः शेरू-रॉकी ने खोला हत्या का राज, 3 दिन बाद नाले से खोजा महिला का शव

फरीदाबाद। फरीदाबाद के कबूलपुर में एक सनसनीखेज हत्या का खुलासा इंसानों ने नहीं, बल्कि दो कुत्तों ने किया। स्ट्रीट डॉग शेरू और रॉकी ने वो कर दिखाया, जिसमें पुलिस नाकाम रही। 15 अप्रैल से लापता 45 वर्षीय महिला का शव तीन दिन बाद जिस तरह इन कुत्तों ने ढूंढ निकाला, उसने पूरा इलाका हैरान है। कबूलपुर कॉलोनी में रहने वाली यह महिला 15 अप्रैल को अचानक लापता हो गई थी। परिवार वालों ने हर संभव जगह तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। आरोप है कि इस दौरान पुलिस की कार्रवाई भी धीमी रही।महिला की तलाश के बीच एक दिलचस्प और भावनात्मक पहलू सामने आया। इलाके के दो स्ट्रीट डॉग शेरू और रॉकी परिवार के साथ हर जगह जाते रहे। ये कुत्ते भी महिला को खोज रहे थे, ये वही कुत्ते थे जिन्हें महिला रोज अपने हाथों से रोटी खिलाया करती थी।18 अप्रैल को जब स्वजन गांव मोहला के पास एक सुनसान इलाके में खोजबीन कर रहे थे, तभी शेरू और रॉकी अचानक झाड़ियों की तरफ दौड़ पड़े। परिवार के लोग जब तक वहां पहुंचते, कुत्ते महिला की साड़ी ढूंढ चुके थे। इससे शक गहरा गया कि महिला के साथ कुछ अनहोनी हुई है। पास ही एक नाला था, जो जलकुंभी से पूरी तरह ढका हुआ था। पानी का अंदाजा लगाना भी मुश्किल था। तभी शेरू अचानक नाले में कूद गया। जैसे ही जलकुंभी हटी, पानी के भीतर महिला के पैर दिखाई दिए। इसके बाद शव को बाहर निकाला गया। खेतों के बीच बने एक एकांत घर में रहने वाले इस परिवार के लिए शेरू और रॉकी किसी पहरेदार की तरह थे। वे न सिर्फ घर के आसपास घूमते रहते थे, बल्कि किसी अजनबी को भी पास नहीं आने देते थे। महिला की रोज की रोटी का कर्ज इन कुत्तों ने अपनी वफादारी से चुका दिया। अब पूरे इलाके में उनकी चर्चा है।हत्या का खुलासा और पुलिस कार्रवाई

मामले की जांच में पुलिस ने कबूलपुर निवासी जगमिंदर डागर को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि इस हत्या का मुख्य आरोपी उसका बेटा परमजीत है, जो फिलहाल फरार है। जांच में सामने आया है कि 15 अप्रैल को परमजीत मोटरसाइकिल पर महिला के घर गैस सिलिंडर देने गया था। इसके बाद वह महिला को बिजली बिल भरवाने के बहाने अपने साथ ले गया। लौटते समय उसने कथित तौर पर महिला की हत्या कर दी और शव को नाले में फेंक दिया। पुलिस ने जगमिंदर को बेटे को छिपाने के आरोप में पकड़ा है। दो दिन की रिमांड के बाद अदालत ने उसे जेल भेज दिया है। मुख्य आरोपी परमजीत की तलाश जारी है, लेकिन अभी तक उसका कोई सुराग नहीं मिला है। इस पूरे मामले में जहां एक तरफ हत्या की साजिश ने लोगों को झकझोर दिया, वहीं दूसरी ओर दो बेजुबान जानवरों की वफादारी ने इंसानियत की एक मिसाल कायम कर दी।

13 साल का इंतजार और नीति 'जीरो'... कैंसर पर हाईकोर्ट सख्त, हरियाणा सरकार से मांगा एक्शन प्लान

पंचकूला। कैंसर पैदा करने वाले कारक तत्वों (कार्सिनोजेन्स) को लेकर देश में नीति और कानून के अभाव पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। करीब 13 वर्षों से लंबित एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने साफ कहा कि मामला अत्यंत महत्वपूर्ण है और अब केवल पुराने जवाबों को दोहराने से समाधान नहीं निकलेगा। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को दो महीने के भीतर कारणों और समाधान सहित विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता हेमंत गोस्वामी ने दलील दी कि कैंसर पैदा करने वाले 556 से अधिक कारक तत्वों की पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो चुकी है, लेकिन भारत में इन्हें नियंत्रित करने के लिए कोई स्पष्ट नीति या कानून मौजूद नहीं है। उन्होंने बताया कि देश में यह एक पालिसी और लेजिस्लेटिव वैक्यूमह्व की स्थिति है, जिसके कारण हर साल लाखों लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है। उनका दावा था कि यदि इन तत्वों को नियंत्रित किया जाए तो लगभग 5 लाख मौतें हर साल रोकी जा सकती हैं।याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य सरकार इस मुद्दे पर जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डाल रही हैं। पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ प्रशासन का कहना है कि यह विषय केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है, जबकि केंद्र का रुख इसके विपरीत है। अदालत के समक्ष यह भी सामने आया कि केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में दाखिल हलफनामा भी पुराने जवाब की पुनरावृत्ति मात्र है, जिससे मामले में कोई प्रगति नहीं हो पाई है। सुनवाई के दौरान अदालत ने इस बात पर भी असंतोष जताया कि विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की रिपोर्ट्स तो पेश की गई हैं, लेकिन कोई समेकित नीति या ठोस कार्ययोजना सामने नहीं आई। राज्य सरकार द्वारा दाखिल हलफनामे में भी स्पष्ट नहीं किया गया कि दिशा-निर्देशों का उल्लंघन होने पर क्या कार्रवाई होगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता ने इस विषय पर व्यापक शोध किया है, इसलिए उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें, जिसमें न केवल समस्या के कारण बल्कि उसके व्यावहारिक समाधान भी शामिल हों। अदालत ने स्पष्ट किया कि रिपोर्ट में केंद्र और राज्य दोनों के अधिकार क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए सुझाव दिए जाएं।

जेल में रहते हुए मोबाइल इस्तेमाल के आरोप पर हाई कोर्ट सख्त, हरियाणा सरकार से जवाबदेही तय करने के दिए निर्देश

चंडीगढ़। नशीले पदार्थों के एक गंभीर मामले में सुनवाई करते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने जहां आरोपित को नियमित जमानत दे दी, वहीं जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कड़ा रुख अपनाते हुए हरियाणा सरकार को आत्ममंथन की जरूरत बताई है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि यदि कोई कैदी हिरासत में रहते हुए मोबाइल फोन के जरिए आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाया जाता है, तो यह अत्यंत चिंताजनक स्थिति है और इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। यह आदेश जस्टिस संजय वशिष्ठ की एकल पीठ ने आरोपित आकाश उर्फ रिंकू द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। याचिकाकर्ता ने एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामले में नियमित जमानत की मांग की थी। 505 ग्राम हेरोइन बरामद हुआ मामला फतेहाबाद के भूना थाना में दर्ज एफआईआर से जुड़ा है, जिसमें 505 ग्राम हेरोइन बरामद होने के बाद कई आरोपितों के नाम सामने आए थे। जांच के दौरान मुख्य आरोपित मोहन लाल ने खुलासा किया था कि उसने यह नशीला पदार्थ दिल्ली क्षेत्र में एक विदेशी नागरिक से खरीदा था और इस सौदे में अन्य आरोपितों की वित्तीय भूमिका रही।पुलिस ने आगे की जांच में कई सह-आरोपितों को गिरफ्तार किया और याचिकाकर्ता को भी जांच में शामिल किया गया।याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि उसके खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य नहीं है और उसे केवल पुलिस रिकार्ड में शामिल होने के कारण फंसाया गया है।यह भी कहा गया कि जिस मोबाइल फोन को नष्ट करने का आरोप लगाया गया, वह कभी उसके कब्जे में था ही नहीं, खासकर तब जब वह पहले से ही न्यायिक हिरासत में था। अन्य मामलों में भी वह बरी हुआ अदालत ने रिकॉर्ड का अवलोकन करते हुए पाया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ कई आपराधिक मामले जरूर दर्ज हैं, लेकिन एनडीपीएस एक्ट में केवल एक ही मामले में सजा हुई है। अन्य मामलों में या तो वह बरी हुआ या सजा पूरी कर चुका है। सबसे अहम टिप्पणी करते हुए अदालत ने कहा कि यह चौंकाने वाला है कि एक कैदी जेल में रहते हुए अन्य आरोपितों से मोबाइल फोन के जरिए संपर्क में बताया जा रहा है, जबकि इसकी जानकारी जेल प्रशासन को नहीं थी। कोर्ट ने कहा कि या तो आरोप झूठे हैं या फिर जेल प्रशासन की गंभीर लापरवाही या मिलीभगत सामने आती है। इन टिप्पणियों के साथ अदालत ने आरोपी को जमानत देते हुए निर्देश दिया कि भविष्य में यदि वह समान गतिविधियों में शामिल पाया जाता है, तो उसकी जमानत रद्द की जा सकती है। साथ ही, ट्रायल कोर्ट को मामले का स्वतंत्र और शीघ्र निपटारा करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

कुरुक्षेत्र में महिला ने पीजी में फंदा लगाकर दी जान, तीन दिन पहले पति ने किया था सुसाइड; 2023 में की थी लव मैरिज

कुरुक्षेत्र। तीन साल पहले की लव मैरिज का सोमवार की आधी रात को फांसी के फंदे के साथ दर्दनाक अंत हो गया। पंखे में फंदा लगाकर एक महिला पीजी में रुकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली। इससे तीन दिन पहले शनिवार को ही इसके पति ने जिला करनाल के तरावड़ी के पास चोपड़ी में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। बताया जा रहा है कि दोनों किराये के मकान में तरावड़ी में रहते थे। आपस में झगड़ा होने के बाद अलग हो गए थे और पति विक्रम अपनी नानी के पास गांव चोपड़ी चला गया ओर एक किराये के कमरे में फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली।वहीं पत्नी कुरुक्षेत्र में सेक्टर 13 के एक पीजी में रहने लगी और काम की तलाश कर रही थी। महिला की

पहचान जिला जींद की जुलाना तहसील के गांव नंदगढ़ की रहने वाली देवी के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल भेज दिया है।जींद की रहने वाली थी महिला जानकारी के अनुसार सेक्टर के मकान नंबर 570 में बने एक पीजी में जिला जींद के गांव नंदगढ़ निवासी महिला देवी रहने के लिए आई थी। उन्होंने कुरुक्षेत्र में काम की तलाश करने की बात कही थी। महिला ने मंगलवार की सुबह देर रात अपने कमरे का दरवाजा नहीं खोला। कमरे का दरवाजा न खुलने पर आस-पास रहने वाली महिलाओं ने दरवाजा खटखटाया तो वह अंदर से बंद था। बार-बार खटखटाने पर भी जब अंदर से कोई जवाब नहीं आया तो उन्हें शक हुआ और उन्होंने खिड़की अंदर झांक कर देखा। अंदर देखा तो महिला पंखे से लटकी हुई थी। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना पीजी संचालक और पुलिस को दी। एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। मौके पर पहुंची एफएसएल की टीम ने साक्ष्य जुटाए। पुलिस उप अधीक्षक सुनील कुमार ने कहा कि पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। महिला के स्वजनों को सूचना भेज दी गई है। उनके पहुंचने के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी।

क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं ? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए ! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुक्सान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है। इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हाँ ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा।

कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे ? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे ? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं !

यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें.आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है। वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां ! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे ! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम।टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु।50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं। स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है - प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। (स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा- एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्तें

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ़्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ़्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रूझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा

8 सब का सपना हिंदी दैनिक

मनोरंजन

अमरोहा
बुधवार 22 अप्रैल 2026
www.sabkasapna.com

सलमान और नयनतारा की अगली फिल्म की शूटिंग शुरू

अनिल कपूर समेत कई सेलेब्स ने जाहिर की खुशी

सलमान खान फिल्म 'मातृभूमि' के बाद साउथ एक्ट्रेस नयनतारा के साथ अगली फिल्म करेंगे। इस फिल्म की शूटिंग से जुड़ा अपडेट मेकर्स ने साझा किया है। सलमान की इस फिल्म के लिए बॉलीवुड एक्टर्स एक्साइटेड दिख रहे हैं। निर्देशक वामशी ने इंस्टाग्राम पर सलमान खान की आगामी फिल्म से जुड़ी जानकारी साझा की है। निर्देशक ने एक क्लैपरबोर्ड की तस्वीर अपलोड की, जिस पर 'मुहूर्त' लिखा हुआ था। इस तरह वामशी ने फैंस को बताया कि सलमान खान और नयनतारा की एक्शन ड्रामा फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। शनिवार को इसका मुहूर्त शॉट किया गया।

कई सेलेब्स ने शूटिंग को लेकर जाहिर की खुशी

डायरेक्टर वामशी की पोस्ट और सलमान खान की फिल्म को लेकर कई बॉलीवुड सेलेब्स उत्साहित दिखे। इस पोस्ट पर रिएक्शन देते हुए अनिल कपूर ने लिखा, 'वामशी, आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं।' इसी तरह नम्रता शिरोडकर ने भी कमेंट किया, 'बहुत-बहुत बधाई।' सलमान के फैंस ने भी इस पोस्ट को खूब लाइक किया है।

सलमान ने ही थी फिल्म की घोषणा

कुछ दिन पहले सलमान खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके अपनी इस फिल्म की घोषणा की थी। उन्होंने बताया था कि वो अपनी अगली फिल्म तेलुगु निर्देशक और निर्माता के साथ करेंगे। सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर निर्देशक वामसी पेडिपल्ली के साथ एक तस्वीर भी शेयर की थी। इस तस्वीर के साथ सलमान ने लिखा, 'दिल, दिमाग और जिगर से इस अप्रैल से वामसी और दिल राजू के साथ।' शनिवार को इस फिल्म की शूटिंग शुरू भी हो गई।

पार्वती कृष्णा योगा के नाम पर हो रहीं ट्रोल

सोशल मीडिया पर पार्वती कृष्णा को कई लोग फॉलो करते हैं, वह बतौर एक्सपर्ट फेस योगा सिखाती हैं। इसी वजह से वह एक विवाद का हिस्सा बन गईं और नेटिजंस द्वारा ट्रोल भी की जा रही हैं। जानिए, क्या है ये पूरा मामला? और पार्वती कृष्णा का फिल्मी दुनिया से क्या रिश्ता है? पार्वती कृष्णा सोशल मीडिया पर दावा करती हैं कि वह फेस योगा से शॉर्प जॉलाइन बनाने में लोगों की मदद करती हैं। इससे चेहरा काफी हद तक बदल सकता है। लेकिन यह बात कुछ लोगों को हजम नहीं हुई। नेटिजंस ने फेस योगा से चेहरे में बदलाव की बात को नाकार और इसे गुमराह करने जैसा बताया। खासकर एक यूट्यूबर चंद्रशेखर रमेश ने पार्वती कृष्णा के दावों की आलोचना की।

पार्वती ने दिया ट्रोल्स को जवाब

जब पार्वती कृष्णा की सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग ज्यादा होने लगी तो एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए उन्होंने जवाब दिया। इसमें उनका कहना है कि वह एक फेस योगा की एक्सपर्ट हैं, उनके पास सर्टिफिकेट भी है। वह कई लोगों की इस मामले में मदद कर चुकी हैं। ट्रोल करने वालों पर भी पार्वती ने निशाना साधा है, इसमें यूट्यूबर चंद्रशेखर रमेश भी शामिल हैं। पार्वती के इंस्टाग्राम वीडियो पर कुछ लोगों ने उन्हें सपोर्ट भी किया है।

फिल्मों से क्या है पार्वती कृष्णा का कनेक्शन

पार्वती कृष्णा एक दक्षिण भारतीय अभिनेत्री हैं। वह मलयालम फिल्मों में अभिनय करती हैं। साल 2014 में 'एंजल' नामक की फिल्म से पार्वती ने अपना करियर शुरू किया। फिल्मों के अलावा टीवी सीरियल भी किए। इसमें 'ईश्वरन साक्षीयायी' और 'रात्री माजा' जैसे सीरियल शामिल हैं। पार्वती ने कई शो भी होस्ट किए। मलयालम का पॉपुलर शो 'किडिलम' को भी वह होस्ट कर चुकी हैं।

पांच साल में बनाया भारत में सबसे बड़ा रिकॉर्ड

संजय की चार फिल्मों ने ली 1000 करोड़ क्लब में एंट्री

बॉलीवुड के एक मशहूर अभिनेता के नाम बड़ा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। उनकी अलग-अलग चार फिल्मों ने 1000 करोड़ क्लब में एंट्री ली है। ऐसा कोई खान स्टार या साउथ का स्टार नहीं कर सका।

यह आम राय है कि बॉक्स ऑफिस पर खान स्टार्स और साउथ के बड़े अभिनेताओं का दबदबा रहता है। हालांकि इस बार मामला थोड़ा अलग है। पिछले कुछ वर्षों में एक एक्टर ने ऐसा रिकॉर्ड बनाया है जो लोगों को हैरान कर रहा है। उन्होंने अलग-अलग भाषाओं की फिल्में की हैं। उनकी चार फिल्में 1000 करोड़ क्लब में पहुंची हैं।

अभिनेता ने खान और साउथ के कलाकारों को छोड़ा पीछे

यह कोई और अभिनेता नहीं बल्कि बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता संजय दत्त हैं। उनकी चार अलग-अलग फिल्मों ने 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। इस रिकॉर्ड की खास बात यह है कि कई बड़े स्टार्स ऐसा रिकॉर्ड नहीं बना पाए हैं। इस लिस्ट में आमिर खान, शाहरुख खान और प्रभास जैसे सितारे हैं। हालांकि संजय दत्त इन सब लोगों से आगे हैं। कई सितारों की एक या दो ही फिल्में 1000 करोड़ क्लब तक पहुंची हैं। लेकिन संजय दत्त की एक नहीं चार फिल्में 1000 करोड़ क्लब तक पहुंची हैं।

इन फिल्मों ने कमाए 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा

संजय दत्त ने 'केजीएफ चैप्टर 2' (2022) में अपने विलेन के किरदार से काफी चर्चा बटोरी। संजय दत्त की यह पहली फिल्म थी जिसने 1000 करोड़ क्लब में एंट्री मारी थी। इसके बाद 'जवान' ने 1100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की। इसमें शाहरुख खान लीड रोल में थे। 'धुरंधर' (2025) में भी संजय दत्त नजर आए थे। इस फिल्म ने 1300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया। इसी तरह से 'धुरंधर 2' (2026) ने एक महीने में 1700 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का कलेक्शन किया है।

संजय दत के नाम बड़ा रिकॉर्ड

इस तरह से संजय दत्त अकेले ऐसे अभिनेता हैं, जिनकी 4 फिल्मों ने 1000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार किया है। उनका ये रिकॉर्ड काफी खास माना जा रहा है।

अक्षय कुमार बोले- मेरा बेटा 4500 की नौकरी कर रहा

एक्टर अक्षय कुमार अपनी फिल्म 'भूत बंगला' से फैंस को खूब हंसा रहे हैं। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया है कि उनके बेटे को फिल्मों में आने में कोई दिलचस्पी नहीं है और वो फैशन में अपना करियर बना रहा है।

अक्षय कुमार का बेटा आरव भाटिया

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार दो दशकों से अधिक समय से अपनी फिल्मों से लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना भी कुछ समय के लिए फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थीं। हालांकि, एक्टर ने हाल ही में खुलासा किया कि उनके बेटे आरव को फिल्मों में कोई दिलचस्पी नहीं है और वह फैशन में अपना करियर बना रहे हैं। उन्होंने ये भी बताया कि वो खुद कमा भी रहे हैं। अक्षय कुमार ने कहा कि उनका बेटा उनसे बहुत अलग नहीं है और आगे कहा, 'हम दोनों में बहुत समानता है। उसे फिटनेस का शौक है, और मुझे भी। वह लंबा है और बहुत ही फोकस्ड है। उसे काम करना पसंद है। लेकिन वह फिल्मों में नहीं आना चाहता। उसकी ऐसी कोई योजना नहीं है। वह फैशन में अपना करियर बनाना चाहता है।' वह बेचारा आज भी 4500 रुपये की नौकरी कर रहा है। अच्छी बात है, क्यों नहीं? वह गांवों में जाकर वहां से फैशन सीख रहा है, अलग-अलग तरह के प्रिंट्स वगैरह। मैं उसे ज्यादा उपदेश नहीं देता, लेकिन मैंने उसे हिदायत दी है कि किसी को नुकसान न पहुंचाए।

आरव भाटिया कौन हैं?

आरव भाटिया का जन्म 2002 में हुआ था और वे अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना के सबसे बड़े बेटे हैं। 15 साल की उम्र में वे उच्च शिक्षा के लिए विदेश चले गए और फिलहाल लंदन के एक विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे हैं। उनकी छोटी बहन निताारा (जन्म 2012) अक्सर ट्विंकल के सोशल मीडिया पर नजर आती हैं, जबकि आरव लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करते हैं।

सनी देओल-आमिर खान की फिल्म 'लाहौर 1947' का बदला जाएगा टाइटल

सनी देओल की अपकमिंग फिल्म 'लाहौर 1947' लंबे वक्त से चर्चा में है. कुछ समय पहले ऐसी खबरें सामने आई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि इस फिल्म का नाम बदल सकता है. लेकिन ये महज अफवाह निकली. लेकिन अब एक बार फिर 'लाहौर 1947' का नाम बदले जाने की खबर सामने आई है.

सनी देओल ने 2026 की शुरुआत में 'बॉर्डर 2' बवाल काट दिया था. इसके बाद सनी देओल के पास कई बड़े फिल्ममेकर्स से ऑफर मिल रहे हैं. एक्टर के पास बहुत सी फिल्में लाइनअप में शामिल हैं. सनी देओल इस साल 'गबरू', 'लाहौर 1947' और 'रामायण' से बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने वाले हैं. हाल ही में ऐसी मीडिया रिपोर्ट्स सामने आई, जिनमें दावा किया गया कि सनी देओल की 'लाहौर 1947' का नाम बदला जाएगा. लेकिन इनमें कोई सच्चाई नहीं थी. इसी बीच अब खबर मिली है कि वाकई में सनी देओल की फिल्म का नाम बदलने की पूरी तैयारी है.

'बॉर्डर 2' के बाद सनी देओल की 'लाहौर 1947' की अनाउंसमेंट की गई थी, जिसके बाद से ही फैंस में इसे लेकर जबरदस्त क्रेज है. ये फिल्म 13 अगस्त को थिएटरों में रिलीज होने वाली है. सनी देओल की इस फिल्म को आमिर खान प्रोड्यूस कर रहे हैं और राजकुमार संतोषी डायरेक्ट कर रहे हैं. बीते दिनों खुद आमिर खान ने बताया था कि 'लाहौर 1947' का नाम नहीं बदला जा रहा है. लेकिन अब खबर सामने आई है कि 'लाहौर 1947' का नाम बदला जा रहा है और इसका नया टाइटल भी पता चल गया है.

लाहौर 1947 का बदलेगा नाम?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2026 की मच अवेटेड फिल्म 'लाहौर 1947' का नाम बदलने के बारे में सोचा जा रहा है. राजकुमार संतोषी के डायरेक्शन में बनी सनी देओल और आमिर खान की फिल्म 'लाहौर 1947' का नाम बदलकर अब 'बंटवारा 1947' किया जा सकता है. हालांकि, अभी तक मेकर्स ने कोई ऐलान नहीं किया है लेकिन ऐसी उम्मीद है कि जल्द ही मेकर्स 'बंटवारा 1947' पर मुहर लगा सकते हैं.

सोनाली ने बिग बॉस मराठी पर लगाए गंभीर आरोप

अभिनेत्री सोनाली राउत ने बिग बॉस मराठी सीजन 6 के निर्माताओं पर शो के दौरान अस्वच्छ (अनहाइजीनिक) रहने की स्थिति का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि खराब वातावरण के कारण उन्हें खुजली की बीमारी हो गई। उन्होंने किचन से लेकर वॉशरूम तक में गंदगी होने और मरे हुए चूहे और कॉकरोच मौजूद होने के आरोप लगाए थे। सोशल मीडिया पर सोनाली ने अपने शरीर पर, पीठ, बांहों, पैरों और धड़ सहित, चकत्ते और निशान दिखाते हुए वीडियो साझा किए।

एक ही वॉशरूम इस्तेमाल करते थे 17 कंटेस्टेंट

सोनाली राउत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने स्थितियों को दयनीय बताया, जिसमें रसोई में चूहे किराने का सामान कुतर रहे थे और खाने में कॉकरोच पाए जा रहे थे। साथ ही पोस्ट में सोनाली ने अपनी कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं, जिसमें उन्होंने अपने शरीर पर निकले दाने, निशान और चकत्ते दिखाए।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।